ssnewsmp | SSNewsmp | ssnewsmp | Telegram - ssnewsmp | Android App - SSNews India | website;www.ssnewsmp.com

उज्जैन ,इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

शब्द सरोवर

जहाँ खबर,वहाँ नजर

सांध्य दैनिक

वर्ष 31 अंक-313 | उज्जैन,गुरूवार 21 मार्च 2024 | पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपए

बदायूं डबल मर्डर का दूसरा आरोपी जावेद बरेली से गिरफ्तार

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में दो मासूम बच्चों की हत्या का दूसरा आरोपी बरेली से गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर 25,000 रुपए का इनाम रखा गया था। हत्याकांड के मुख्य आरोपी साजिद को उसी दिन पुलिस एनकाउंटर में मौत के घाट उतार दिया गया था।जावेद का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह कह रहा है कि मैं ही बदायूं वाला जावेद हूं। वरदात वाले दिन बदायूं में बहुत भीड़ थी, इसलिए दिल्ली भाग गया था। अब मैं मेरठ आ गया हूं और पुलिस के सामने सरेंडर करना चाहता हूं।इस बीच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 12 साल के आयुष और 6 साल के अहान पर साजिद ने चाकू से 23 वार किए थे। अहान के शरीर पर तो 9 घाव मिले हैं।

-सुप्रीम कोर्ट ने किया साफ-

2 चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर नहीं लगेगी रोक

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह इस स्तर पर चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर कानून पर रोक नहीं लगा सकता क्योंकि इससे चुनाव से पहले अराजकता पैदा हो सकती है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2023 के कानून के तहत नए चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार करने के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश को चयन पैनल से बाहर रखा गया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा था कि वे इस तथ्य को इंगित करते हुए एक अलग आवेदन दायर करें, जिन्होंने बताया कि ईसी के चयन के लिए एक बैठक पहले से आयोजित की गई थी।

पीठ ने 2023 के कानून के अनुसार की गई नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि आम तौर पर और आम तौर पर हम अंतरिम आदेश के माध्यम से किसी कानून पर रोक नहीं लगाते हैं। इसने 2023 कानून के तहत दो ईसी की नियुक्तियों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 21 मार्च तक के लिए टाल दी थी। याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से अदालत में पेश हुए वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा कि जब फैसला सुनाया जा चुका है तो कोई उल्लंघन नहीं हो सकता। उन्होंने तर्क दिया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 में स्पष्ट उल्लंघन हुआ है।वकील प्रशांत भूषण एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से अदालत में पेश हुए, जिसने सीजेआई को पैनल से बाहर करने को चुनौती दी है और कहा है कि स्वस्थ लोकतंत्र बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग को ÷राजनीतिक÷ और ÷कार्यकारी हस्तक्षेप÷ से अलग रखा जाना चाहिए। यह सुनवाई इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को गुरुवार को ईसी के रूप में नियुक्त किया गया था। इनका चयन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा किया गया।

सोनिया, राहुल और खड़गे की प्रेस कॉन्फ्रेंस

सत्ता पक्ष का खेल खतरनाक, कांग्रेस को कमजोर करने की हो रही कोशिश

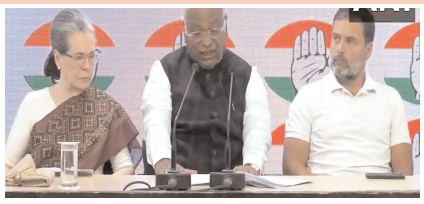

नईदिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक है कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए जाएं और सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्रदान किए जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि ईडी, आईटी और अन्य स्वायत्त संस्थाओं पर नियंत्रण हो। पिछले कुछ दिनों में स्ट के हस्तक्षेप के बाद चुनावी बॉन्ड को लेकर जो तथ्य सामने आए हैं, उससे देश की छवि को ठेस पहुंची है। खड़गे ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड को अवैध और असंवैधानिक बताया। उस योजना के तहत वर्तमान सत्ताधारी दल ने अपने खाते हजारों-करोड़ों रुपये से भर दिये। वहीं दूसरी ओर एक साजिश के तहत मुख्य विपक्षी दल का बैंक खाता फ्रीज कर दिया गया है। ताकि, धन के अभाव में चुनाव लड़ने में समान अवसर न मिले। उन्होंने कहा कि यह सत्ता पक्ष का खतरनाक खेल है जिसका दूरगामी असर होगा। अगर इस देश में लोकतंत्र को बचाना है तो बराबरी का मौका बनाना होगा।कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मैं यह नहीं बताना चाहता कि भाजपा ने कुछ कंपनियों से कैसे पैसा लिया। चूंकि सुप्रीम कोर्ट इस मामले की जांच कर रहा है, मुझे उम्मीद है कि सच्चाई जल्द ही हमारे सामने होगी। उन्होंने कहा कि मैं संवैधानिक संस्थाओं से अपील करता हूं कि अगर वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहते हैं, तो उन्हें हमें अपने बैंक खातों तक स्वतंत्र रूप से पहुंचने की अनुमति देनी चाहिए। कोई भी राजनीतिक दल आयकर के दायरे में नहीं आता है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बोले- लोकसभा चुनाव में मप्र में भाजपा क्लीन स्वीप करेगी

भाजपा महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष रुपा राव के घर भी पहुंचे

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि बीजेपी ने अपने सारे प्रत्याशियों के नाम दस दिन पहले घोषित कर चुके थे तो वही कांग्रेस की ये हालत है कि उनके प्रत्याशी के लिए चेहरा नहीं मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीट जीतकर कांग्रेस का क्लीन स्वीप करने को तैयार है। जबलपुर में मीडिया से चर्चा करते होते हुए मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश के सीधी में रानी अवंति बाई बलिदान दिवस के मौके पर देश का पहला नामांकन फार्म दाखिल किया गया है।मुख्यमंत्री मोहन यादव भाजपा महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष रुपा राव के घर भी पुहंचे। दो दिन पहले महिला रुपा राव के पति का देहांत हो गया था।

पूर्व विधायक यादवेंद्र सिंह समेत कई नेता भाजपा में शामिल, सीएम मोहन बोले-सबको मिलेगा सम्मान

भोपाल। लोकसभा चुनाव के दौरान जहां भाजपा अपना कुनबा लगातार बढ़ा रही है, वहीं उसके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दल कांग्रेस के नेताओं में भगदड़ मची है। इसी सिलसिले में बुधवार को विंध्य क्षेत्र में भी कांग्रेस को बड़ा झटका लगा।पूर्व विधायक यादवेंद्र सिंह, पूर्व महापौर पुष्कर सिंह तोमर व राजाराम त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह कछवाह, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सुधीर सिंह तोमर, पूर्व महापौर प्रत्याशी मनीष तिवारी, रवींद्र सिंह सेठी समेत कई नेता अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। ये सभी नेता गुरुवार सुबह राजधानी में भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां कुछ देर पहले मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर भाजपा के न्यू ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष नरोत्तम मिश्रा, भाजपा के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवान दास सबनानी समेत अनेक नेता पार्टी कार्यालय में मौजूद हैं। सदस्यों की भीड़ बढ़ने पर सदस्यता अभियान कुछ समय के लिए रोकना पड़ा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि भाजपा में आए सभी सदस्यों का मैं स्वागत करता हूं। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने कहा कि सीएम डा. मोहन यादव ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि सामने वाले के पास कुछ बचेगा ही नहीं। भाजपा में साधारण कार्यकर्ता को मंत्री और मुख्यमंत्री पद पर पहुंचाया जाता है।आप बीजेपी के परिवार में आए हो। आपके पास ऐसा मौका कभी भी आ सकता है। आपको अधिकार दिया जाता है कि कि आप भी अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं को जोड़ सकते हो। उनको वही सम्मान दिया जाएगा, जो यहां पर आपको दिया गया है। मध्य प्रदेश को आगे ले जाने के लिए आपके सुझाव भी हमारे लिए महत्वपूर्ण होंगे।

उठावना

स्व. श्री विजय जाजू

स्व.मुरलीधर जी के पुत्र, हमारे अनुज एवं अनुश्री और आयुष के पूज्य पिताजी, अंकुर, अंकित, अंशुल के चाचाजी, स्व.कृष्णदास जी, बलराम जी, विष्णुदास जी, स्व.द्वारकादास जी जाजू के भतीजे श्री विजय जाजू का स्वर्गवास दिनांक 19/03/24 को हो गया है। जिनका उठावना गुरूवार दिनांक 21/03/24 को शाम 4.00 बजे महाकाल पैलेस, अरविंद नगर के सामने, हीरा मिल रोड़, उज्जैन पर रखा गया है।

शोकाकुल-कैलाश, राजेश जाजू, अनुश्री-सोहिल (बेटी-दामाद) एवं समस्त जाजू परिवार (उज्जैन-तराना)

नोट-ससुराल पक्ष मूंदड़ा परिवार (उज्जैन एवं विदिशा) का उठावना भी सम्मिलित रखा गया है।

इंदौर की चोइथराम थोक मंडी में व्यापारियों में विवाद

डेढ़ घंटे बंद रही मंडी

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर (चोइथराम) थोक सब्जी मंडी में बुधवार को डेढ़ घंटे तक नीलामी बंद रही। पुलिस में हुई एक शिकायत के बाद व्यापारियों व आढ़तियों ने विरोधस्वरूप मंडी बंद करवा दी। फर्जी शिकायत कर मंडी का माहौल खराब करने का आरोप एसोसिएशन ने लगाया। बाद में प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यापारी एसोसिएशन के पदाधिकारियों से चर्चा की। सुबह 11 बजे बाद नीलामी फिर से शुरू हुई। इस दौरान आलू-प्याज और लहसुन बेचने आए किसानों को खासा परेशान होना पड़ा।

मंडी में एक व्यापारी मुकेश सोमानी ने व्यापारी एसोसिएशन के 17 पदाधिकारियों के खिलाफ थाने में शिकायती आवेदन दिया था। पदाधिकारियों से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की थी। इसी के खिलाफ व्यापारी एसोसिएशन ने मंडी बंद करवा दी। इस दौरान व्यापारी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। सुबह 9 से 11 बजे तक मंडी बंद रही।व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश गर्ग के अनुसार 17 पदाधिकारियों के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की है। कुछ वर्षों पहले भी खुद पर गोली चलाकर आरोप अन्य व्यापारियों पर लगा दिया था। इसमें वर्षों तक व्यापारियों को परेशान होना पड़ा और बाद में वे बरी हुए। दरअसल व्यापारी को एसोसिएशन से निकाल दिया गया है।

धमकाने व परेशान करने के साथ ही वसूली के लिए मंडी का माहौल खराब किया जा रहा है। यदि हम प्रतिकार नहीं करते तो व्यापारियों को गलत माना जाता। इसलिए हमने घंटेभर का विरोध प्रदर्शन किया। अवैध गतिविधियां चलाने वालों पर हम कार्रवाई और लाइसेंस रद करने की मांग कर रहे हैं। पुलिस व प्रशासन ने आश्वासन दिया है।

मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन को पसंद आया इंदौर का स्वागत

इंदौर। करीब 30 वर्ष पहले मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर सुष्मिता सेन ने देश का नाम रोशन किया था। वह पहली भारतीय महिला थी, जिसने यह खिताब जीता था। उस दौरान उनकी उम्र महज 18 वर्ष थी। 1994 में सुष्मिता और ऐश्वर्या राय ने भारत के नाम दो बड़े खिताब जीते थे। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी।सुष्मिता ने इसके बाद बालीवुड करियर की शुरुआत, जहां उन्हें अलग पहचान मिली। सुष्मिता सेन ने शादी तो नहीं की लेकिन उनकी दो बच्चियां हैं। दरअसल, उन्होंने दो बच्चियों को गोद लिया था। आज हम उनके बारे में इसलिए बात कर रहे हैं, क्योंकि वह बुधवार को इंदौर में महिलाओं से चर्चा करने के लिए मौजूद थी। फिक्की फ्लो इंदौर द्वारा होटल शेरेटन ग्रैंड पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में सुष्मिता सेन ने वुमन एंपावरमेंट विषय पर महिलाओं के सवालों के दिलचस्प उत्तर दिए।इस दौरान उनसे चर्चा कर रही थी फिक्की फ्लो की चैयरपर्सन ममता बाकलीवाल। बतां दे कि इस दौरान सुष्मिता ने इंदौर के स्वागत व यहां के डाक्टरों की तारीफ भी की। सुष्मिता के हाल में पहुंचते ही महिलाओं ने शोर मचाना शुरू कर दिया, महिलाओं ने सुष्मिता को देखते ही आई लव यू चिल्लाना शुरू कर दिया।इसके जवाब में सुष्मिता ने भी मुस्कुरा कर जवाब दिया। हर कोई उनके साथ सेल्फी लेने के लिए बेताब था। हाल में बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित थी। ।सुष्मिता कहती हैं कि मैं 48 वर्ष की हो चुकी हूं और 30 वर्षों से चर्चा के केंद्र में हूं। 1994 वर्ष पहला अवसर था जब भारत को दो बड़े खिताब एक साथ मिले। साल 1994 में ऐश्वर्या राय ने जहां मिस वर्ल्ड का ताज जीता, वहीं मुझे मिस यूनिवर्स का खिताब मिला। मेरी उम्र उस दौरान सिर्फ 18 वर्ष की थी। कुछ ही वर्षों बाद मैंने बालीवुड में डेब्यू किया। फिर दो बच्चियों की मां बनीं और इस बीच ओटीटी पर भी फिल्म की।अब तक का मेरा सफर काफी खूबसूरत रहा। उन्होंने आगे कहा कि मिस यूनिवर्स बनने के बाद मुझे हर दिन खूबसूरत ही लगता होता था। हालांकि काफी समय बाद मुझे अहसास हुआ कि खूबसूरती सिर्फ बाहर से नहीं होती क्योंकि बाहर की खूबसूरती समय के साथ ढल जाती है। आपको वह ढूंढना चाहिए, जिससे समय के साथ आपकी खूबसूरती बढ़ती जाए। ये चीजें आपके व्यक्तित्व में होती हैं। आपको खुदको पहचानना होगा।

इंदौर में गेर में हथियार लेकर पकड़े गए तो लगेगी रासुका

इंदौर। 30 मार्च को शहर के मध्य क्षेत्र में गेर हर वर्ष की तरह निकलेगी। इस बार गेर के क्रम में बदलाव किया गया है। इस बार गेर के साथ समन्वय के लिए नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। हथियार लेकर आने वालों पर रासुका की कार्रवाई की जाएगी। शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर भी कार्रवाई होगी।कलेक्टर कार्यालय में गेर की व्यवस्था को लेकर आयोजकों के साथ जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की बैठक बुधवार को हुई। इसमें तय हुआ कि शहर के मध्य क्षेत्र में रंगपंचमी पर रंगारंग गेर निकलेगी। गेर पूर्व निर्धारित मार्गों से निकाली जाएगी। पूरा शहर रंगों से सराबोर रहेगा। गेर में आदर्श आचार संहिता का पालन भी करना होगा। इसके तहत किसी भी राजनीतिक दलों के चिन्ह, बैनर, पोस्टर आदि का प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा।कलेक्टर आशीष सिंह ने गेर आयोजकों से कहा कि वे अपनी-अपनी गेर निर्धारित समय के साथ तय क्रम से ही निकालें। समय एवं अनुशासन का विशेष रूप से पालन करें। वे यह तय करें कि किसी भी तरह की हुडदंग नहीं हो। बैठक में पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता, कलेक्टर आशीष सिंह, एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सात महीने तक कोचिंग जाने की झूठी जानकारी दे रही थी छात्रा, साजिश कर पिता से मांगे रुपये

इंदौर। अपहरण की साजिश कर पिता से रुपये मांगने वाली छात्रा मंगलवार रात अंतिम बार भोलाराम उस्ताद मार्ग पर देखी गई। अपराध शाखा और कोटा पुलिस ने छात्र और छात्रा का सीसीटीवी फुटेज निकाल लिया है। पुलिस को एक मोबाइल मिला है, जिसे दोनों जल्दबाजी में दोस्त के रूम पर छोड़ कर भाग गए।जांच में शामिल एक अधिकारी के मुताबिक छात्रा काव्या धाकड़ का पिछले साल सितंबर में नीट की पढ़ाई के लिए कोटा में आर्य भट्ट टावर स्थित फिजिक्स वाला कोचिंग क्लासेस में एडमिशन करवाया गया था। अपहरण की सूचना पर पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि वह एक बार भी कोचिंग नहीं आई।उसका दोस्त हर्षित स्वजन को काल कर कोचिंग

आने और जाने की झूठी सूचना देता रहा। हर्षित से काव्या की दोस्ती है और दोनों भंवरकुआं थाना क्षेत्र स्थित भोलाराम उस्ताद मार्ग पर रहते थे। काव्या ने हर्षित के साथ पिता रघुवीर से रुपये वसूलने की साजिश की। इस साजिश में ब्रजेंद्र भी शामिल रहा।मंगलवार रात पुलिस ने ब्रजेंद्र को हिरासत में लिया तो उसने बताया कि दोनों (काव्या और हर्षित) की आर्थिक स्थिति कमजोर है। उनके पास सिर्फ ढाई हजार रुपये बचे हैं। पहचान पत्र नहीं होने के कारण उन्हें रूम भी नहीं मिल रहा है। पुलिस ने करीब 40 हॉस्टल में तलाशी अभियान चलाया।सुबह चार बजे भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित दीक्षा हॉस्टल में होने की खबर मिली। टीम ने छापा मारा तो काव्या और हर्षित कमरे में नहीं मिले। रात में ही पुलिस ने अमन सोलंकी नामक युवक को हिरासत में लिया। उसने बताया कि काव्या को दीक्षा हॉस्टल में छोड़ने के बाद अमन उसके पास सोने आया था। पुलिस को उसका मोबाइल मिल गया।

आधार की तरह ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन कार्ड भी पीडीएफ फॉर्म में होंगे उपलब्ध

इंदौर, । ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन कार्ड की कमी से जूझ रहा परिवहन विभाग इस समस्या के समाधान के लिए ये दोनों ही कार्ड अब पीडीएफ फॉर्म में जारी कर सकता है। आधार कार्ड की तरह ही एक ओटीपी नंबर प्राप्त होगा और उसे दर्ज करने पर संबंधित कार्ड की पीडीएफ डाउनलोड हो जाएगी। यह देशभर में मान्य होगा।मध्य प्रदेश में परिवहन विभाग ने कॉर्ड प्रिंट करने का जिम्मा स्मार्ट चिप कंपनी को दिया था। कंपनी द्वारा कार्य समय पर प्रिंट करके नहीं देने पर टेंडर निरस्त कर दिया गया। अकेले इंदौर में ही 20 हजार से ज्यादा ड्राइविंग और रजिस्ट्रेशन कार्ड लंबित हैं।इंदौर में हर दिन 450 से ज्यादा आवेदन नए लाइसेंस या नवीनीकरण के लिए आते हैं, जबकि 300 रजिस्ट्रेशन कार्ड के लिए आवेदन प्राप्त होते हैं। सीएम ऑनलाइन पर भी लाइसेंस-रजिस्ट्रेशन कार्ड नहीं मिलने की शिकायतों की संख्या बढ़ती जा रही है। नई सुविधा के बाद वाहन चालकों को काफी सुगमता होगी।परिवहन विभाग में एक साल से रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) और ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) की समस्या बनी हुई है। परिवहन विभाग आवेदकों के लिए सुविधाओं को लगातार ऑनलाइन और आधुनिक करने में जुटा है, ताकि आमजन को परिवहन विभाग के चक्कर लगाने से मुक्ति मिल जाए। सभी आवेदन आनलाइन लिए जा रहे हैं।अब आरसी और डीएल की भी पीडीएफ जारी करने की योजना तैयार की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि पीडीएफ फॉर्म में आरसी और डीएल देने की तैयारी की जा रही है। आधार कार्ड की तरह आनलाइन प्रिंट भी निकाला जा सकेगा।आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा का कहना है कि लाइसेंस के खाली कार्ड को लेकर सर्वाधिक परेशानी आ रही है। इसका समाधान निकालने में विभाग जुटा है। पीडीएफ फॉर्म में डीएल और आरसी जारी करने की प्रक्रिया विभाग शुरू कर सकता है।

एमपीपीएससी राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 की तारीख बदली, अब 23 जून को होगी

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 अब 23 जून को होगी। लोकसभा चुनाव की वजह से परीक्षा की तारीख को आगे बढ़ाया गया है। इसके पहले परीक्षा 28 अप्रैल 2024 को आयोजित की जानी थी।मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग ने एक विज्ञप्ति जारी कर परीक्षा की तारीख बदलने की सूचना दी है। जिसमें बताया है कि लोकसभा निर्वाचन कार्यक्रम-2024 को दृष्टिगत रखते हुए राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 अब 28 अप्रैल के स्थान पर 23 जून को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र दिनांक 12 जून से आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in तथा www. mponline. gov.in पर डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध रहेंगे।लोकसभा चुनाव की वजह से परीक्षा की तारीख बदलने की संभावना जताई जा रही थी। मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग ने इस पर तुरंत निर्णय लिया और तारीख को 28 अप्रैल से 23 जून कर दिया।

इंदौर में आशीर्वाद लेते ही एएसआइ की चेन तोड़कर ले गया 'नागा साधु'

इंदौर। लुटेरों ने सहायक उपनिरीक्षक (एएसआइ) को नई तरकीब से लूटा। नागा साधु के वेश में आए बदमाश ने एएसआइ को चमत्कार बताए और आशीर्वाद के लिए करीब बुलाया। एएसआइ जैसे ही झुके, बदमाश चेन लूट कर फरार हो गए। पुलिस को कार के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। तिलक नगर और अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में भी इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं।घटना एरोड्रम थाना क्षेत्र के शिक्षक नगर की है। फरियादी एएसआइ गोपाल बर्डे पुलिस रेडियो में पदस्थ हैं। प्रतिदिन की तरह बुधवार को भी वे सैर करने गए थे। जैसे ही दोपहिया वाहन शोरूम के समीप पहुंचे, सफेद रंग की एक कार उनके पास आकर रुकी। चालक के बगल में भस्म लगाकर नागा साधु में एक बदमाश बैठा हुआ था। उसने शिव मंदिर का पता पूछा और करीब बुलाया।एएसआइ से बातें की और चमत्कार कर रुद्राक्ष निकाल कर दिया। साधु ने घड़ी को भी अभिमंत्रित किया। एएसआइ साधु के सम्मान में पैर पड़ने के लिए कार की खिड़की में झुके तो झपट्टा मारकर सोने की चेन छीन ली। उन्होंने शोर भी मचाया, लेकिन आरोपित फरार हो गए। दोपहर को थाने पहुंचे और लूट की एफआइआर दर्ज करवाई। इसके पूर्व भी अन्नपूर्णा और तिलक नगर थाना क्षेत्र में कार सवार बदमाश पता पूछने के बहाने लूट कर चुके हैं।

लोकसभा चुनाव का पहला चरण एक माह दूर, चुनाव सामग्री का बाजार ठंडा

इंदौर। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव का पहला चरण अब सिर्फ एक माह दूर है। बावजूद इसके अब तक चुनावी रंग नहीं जमा। चुनाव सामग्री के व्यापारियों की मानें तो बाजार पूरी तरह से ठंडा है। प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशी घोषित होने के बावजूद चुनाव सामग्री को लेकर कोई पूछताछ नहीं हो रही। प्रत्याशी तो दूर, उनके समर्थक भी अब तक प्रचार सामग्री की दुकानों पर नहीं पहुंचे।इधर कांग्रेस ने तो अब तक प्रत्याशी ही तय नहीं किए हैं। ऐसे में चुनाव सामग्री का व्यापार करने वाले व्यापारियों को इस लोकसभा चुनाव से बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं। व्यापारियों का कहना है कि हमें पहले से इस बात की आशंका थी। यही वजह है कि ज्यादातर व्यापारियों ने अब तक कच्चा माल ही नहीं मंगवाया। बदले परिदृश्य के कारण कई व्यापारी चुनाव सामग्री के व्यापार से खुद को दूसरे व्यापार में शिफ्ट कर चुके हैं।इंदौर प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी है। पंचायत चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव तक प्रचार सामग्री यहीं से प्रदेश के अन्य शहरों में भेजी जाती है। शहर में चुनाव सामग्री के 100 से ज्यादा बड़े व्यापारी हैं। इसके अलावा दर्जनों छोटी-छोटी दुकानें हैं। कुछ वर्ष पहले तक चुनाव की घोषणा से बहुत पहले चुनाव सामग्री का व्यापार जोर पकड़ने लगता था। पार्टियों के झंडे, बैनर, टोपी, बिल्ले इत्यादि की जोरदार मांग होती थी।यही वजह थी कि चुनाव की घोषणा से पहले ही व्यापारी दिल्ली से कच्चा माल बुलवाकर इन्हें तैयार करने में जुट जाते थे। चुनाव की घोषणा होते ही चुनाव सामग्री की दुकानों पर खरीदी के लिए प्रत्याशियों के समर्थकों का तांता लग जाता था, लेकिन अब इन दुकानों पर ऐसे दृश्य नजर नहीं आते। दो दशक में चुनावी परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया है।

सेक्टर अधिकारी निर्वाचन संबंधी बारीकियों को अच्छे से समझे और उनका प्रभावी क्रियान्वयन कराएं -कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह

नागदा-खाचरौद, महिदपुर, तराना और बड़नगर के सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

उज्जैन / कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह ने कहा है कि निर्वाचन शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न कराने में सेक्टर ऑफिसर्स एवं सेक्टर पुलिस ऑफिसर्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सभी सेक्टर अधिकारी निर्वाचन संबंधी बारीकियों को अच्छे से समझें और उनका प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन कराएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री सिंह ने बुधवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज के ऑडोटोरियम में आयोजित लोकसभा निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण में सभी सेक्टर अधिकारियों एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों को दिए। प्रशिक्षण में पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेंद्र कवचे, सीईओ एवं नोडल प्रशिक्षण श्री संदीप सोनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी सेक्टर अधिकारी निर्वाचन की घोषणा से लेकर मतदान समाप्ति तक अपने क्षेत्र में संपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार होंगे। वल्नरेबल मैपिंग, क्रिटिकल मैपिंग ,मतदान दलों की रवानगी सहित सभी निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित कराएं। सेक्टर अधिकारी अपने दायित्वों के साथ पीठासीन अधिकारियों के दायित्वों को भी अच्छे से समझे। अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था,आदर्श आचरण संहिता का पालन,ईवीएम प्रबंधन,मतदान आदि के लिए सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी सेक्टर अधिकारी और सेक्टर पुलिस अधिकारी अच्छे से अपने सेक्टरों में संयुक्त भ्रमण करें। वल्नरेबलिटी मैपिंग के लिए कम से कम तीन बार संयुक्त रूप से भ्रमण किया जाए। सेक्टर अधिकारी संयुक्त भ्रमण को खानापूर्ति न समझें। भ्रमण के दौरान ज्यादा से ज्यादा समय अपने सेक्टर में व्यतीत करें। ग्रामीणों से मिले उनका विश्वास जीते। भ्रमण

के दौरान मतदान केंद्र तक जाने वाले मार्गों की स्थिति ठीक है या नहीं इसका भी विशेष ध्यान रखें। ताकि आवागमन सुगमता से हो सकें। सेक्टर में एक मतदान केंद्र से दूसरे मतदान केंद्र की दूरी डेढ़ घंटे से ज्यादा ना हो इसका भी ध्यान रखें। ऐसे मतदान केंद्रों को चिन्हित करें ताकि उनमें आवश्यक परिवर्तन किया जा सके।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सेक्टर अधिकारी मतदान केंद्रों पर मूलभूत व्यवस्थाओं के संबंध में भी रिपोर्ट दें। केंद्रो पर रंगाई पुताई एवं आवश्यक मरम्मत के कार्य के लिए सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं। मतदान दिवस पर सभी मतदान केंद्र सुव्यवस्थित और आकर्षक दिखाई दें यह सुनिश्चित कराएं। सभी सेक्टर अधिकारी इस सप्ताह अनिवार्य रूप से संयुक्त भ्रमण किया जाना सुनिश्चित करें। सभी प्रक्रियाओं के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का गंभीरता से पालन किया जाएं।

पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा ने कहा कि वल्नरेबलिटी मैपिंग की कार्यवाही अच्छे से की जाएं। निर्वाचन को प्रभावित करने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित कराएं। प्रभावित होने वाले लोगों का विश्वास जीते और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करें। आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार ही ईवीएम का प्रबंधन किया जाए। मतदान केंद्रों की दूरी, मतदान केंद्रों तक जाने वाले मार्गों की स्थिति को भी संयुक्त भ्रमण के दौरान देखें।

लोकसभा आम निर्वाचन के अन्तर्गत उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र नागदा-खाचरौद, महिदपुर, तराना एवं बड़नगर के सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण बुधवार को पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

सेक्टर आफिसर एवं सेक्टर पुलिस आफिसरों को राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ.संदीप नाडकर्णी एवं डॉ.विजय सुखवानी ने विस्तार से प्रशिक्षण देते हुए बताया कि सेक्टर आफिसर, आरओ और मतदान दल मतदाता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है, जो सेक्टर में अपने दायित्वों, कर्तव्यों का निर्वहन सजगतापूर्वक कर मतदान प्रक्रिया शान्तिपूर्वक सम्पन्न करवाने में अपनी भूमिका अदा करें। मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि सेक्टर आफिसरों की नियुक्ति से लेकर मतदान प्रक्रिया समाप्ति तक चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी रहेगी। मतदान दिवस से सात दिवस पूर्व विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की शक्तियों के साथ सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्ति की जायेगी। एक सेक्टर में 10 से 12 मतदान केन्द्र एवं सेक्टर में समाहित रूट की जानकारी रहेगी। सेक्टर आफिसर वल्नरेबलिटी मेपिंग, मतदाता जागरूकता अभियान, चुनाव प्रबंधन, ईवीएम की कार्य प्रणाली, कानून व्यवस्था, मतदान की प्रक्रिया, आदर्श आचरण संहिता, आयोग के दिशा-निर्देश की भलीभांति जानकारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि सेक्टर एवं पुलिस सेक्टर आफिसर समन्वय कर अपने-अपने सेक्टरों का भ्रमण कर बीएलओ से सम्पर्क करें, उनके नम्बर मतदान केन्द्रों की सूची, आवश्यक मूलभूत सुविधाएं एवं संचार सुविधाएं की जानकारी एकत्रित कर पत्रक तैयार किया जाएं। यह भी जानकारी होना आवश्यक है कि गत निर्वाचनों के मतदान प्रतिशत की जानकारी, ईपिक रेशो एवं जेण्डर रेशो की मतदान केन्द्रवार जानकारी, कानूनी प्रावधान पर नोट आदि की जानकारी तैयार कर उसका भलीभांति अध्ययन करें।

प्रशिक्षण में बताया कि सेक्टर आफिसर एवं पुलिस सेक्टर आफिसर को मतदान केन्द्रों एवं मार्गों की जानकारी होना आवश्यक है। इसी तरह वल्नरेबलिटी मेपिंग क्या है, इसका भी अध्ययन कर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं । इसी तरह वल्नरेबिलिटी पैदा करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर वीएम-1 तथा सेक्टर अधिकारी या सेक्टर पुलिस अधिकारी के संयुक्त भ्रमण के दौरान प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मेपिंग की जाएं। वल्नरेबिलिटी पैदा करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध बाउण्ड ओवर, अवैध हथियारों की तलाशी या बरामदगी आदि की कार्यवाही की जाएं। सेक्टर अधिकारी अपने-अपने सेक्टर में सतत भ्रमण कर एवं वल्नरेबल मतदाताओं से सम्पर्क, जागरूकता गतिविधियों का संचालन, सीविजिल, वोटर हेल्पलाइन नम्बर 1950 का प्रचार-प्रसार आदि गतिविधियों में वातावरण निर्माण किया जाएं। प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर यह देखा जाये कि ऐसे मतदान केन्द्र, जिनमें वल्नरेबल पॉकेट आते हैं, गत निर्वाचन में 90 प्रतिशत मतदान तथा उसमें से 75 प्रतिशत से अधिक मतदान एक अभ्यर्थी के पक्ष में, 10 प्रतिशत से कम मतदान वाले मतदान केन्द्र, गत निर्वाचन में मतदान प्रक्रिया के निर्वाचन अपराधों के चलते पुनर्मतदान की स्थिति निर्मित हुई हो और ऐसे मतदान केन्द्र जहां एएसडी मतदाताओं की संख्या निर्वाचन क्षेत्र के औसत से अधिक है, की जानकारी एकत्रित कर मतदान प्रक्रिया को सुचारू एवं सफल बनाने की अहम भूमिका अदा की जाएं।

मतदाता सूची संबंधी आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करें- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह

उज्जैन / मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम जोड़ने, विलोपित करने और स्थानांतरित करने संबंधी प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। यह निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह ने सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को दिए हैं। बुधवार को कलेक्टर श्री सिंह ने समसामयिक विषयों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में लोकसभा निर्वाचन सहित अन्य विषयों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने कंट्रोल रूम और शिकायत प्रकोष्ठ के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने आदर्श आचरण संहिता के संबंध में प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कंट्रोल रूम का भी प्रभावी संचालन करने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने आदर्श आचरण संहिता के संबंध में की गई कार्यवाहियों की भी जानकारी ली। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेंद्र कवचे उपस्थित रहें।

पोस्टर, बैनर एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से दिया जा रहा मतदाता जागरूकता का संदेश

स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित ,मतदान करने की दिलाई गई शपथ

उज्जैन / लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत उज्जैन संसदीय क्षेत्र में 13 मई 2024 को मतदान किया जाएगा। जिले के मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

जिले के जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में दिव्यांगों और वृद्धजनों का सम्मेलन आयोजित कर उन्हें मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सहायक नोडल स्वीप श्री सिद्दीकी द्वारा सभी को लोकसभा निर्वाचन कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी गई।

साथ ही दिव्यांगजनो अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान श्री सिद्दीकी द्वारा सभी को मतदान करने और अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

स्वीप गतिविधियों के क्रम में जनपद घट्टिया के सोडग ग्राम में माधव महाविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय सेवा शिविर में मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत मतदाता जागरूकता शपथ एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मतदाताओं को शपथ के साथ पोस्टर और बैनर के माध्यम से मतदाता जागरूकता संबंधी स्लोगन लिख मतदान करने का संदेश दिया गया।

अभ्यार्थी 18 अप्रैल 2024 से दाखिल कर सकेंगे नाम निर्देशन पत्र

26 अप्रैल को की जाएगी प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा

उज्जैन / लोकसभा निर्वाचन 2024 की तिथियां का ऐलान होने के साथ ही आदर्श आचरण संहिता संपूर्ण देश के साथ-साथ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र उज्जैन एवं संपूर्ण जिले में निर्वाचन प्रक्रिया के समाप्ति तक की अवधि के लिए प्रभावशील हो चुकी है। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन पत्र 18 अप्रैल 2024 से 25 अप्रैल 2024 तक सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर प्रातः 11.00 से दोपहर 3.00 बजे तक दाखिल किए जा सकते है। नाम निर्देशन पत्र न्यायालय कलेक्टर उज्जैन एवं रिटर्निंग अधिकारी उज्जैन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में प्राप्त किए जाऐंगे। एक अभ्यर्थी एक निर्वाचन क्षेत्र के लिये अधिकतम 4 नाम निर्देशन पत्र दाखिल कर सकता हैं, एक अभ्यर्थी 2 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रो के लिये नामांकन नहीं कर सकेगा। रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय के 100 मीटर परिधि में अधिकतम 3 वाहन एवं रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में अभ्यर्थी सहित अधिकतम 5 व्यक्तियों को प्रवेश दिया जाएगा।

नामांकन पत्रों की संवीक्षा 26 अप्रैल 2024 को कार्यालयीन समय में की जाएगी, नामांकन की वापसी दिनांक 29 अप्रैल 2024 को होगी। नामांकन हेतु आवश्यक दस्तावेज प्रारूप ए एव बी नामांकन के अंतिम दिवस 3 बजे तक, जमानत राशि 25000 रुपये नगद या चालान द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये राशि 12500 रुपये देय होगी। पृथक नवीन बैंक खाता, मतदाता सूची की प्रमाणित प्रति संवीक्षा के समय तक, रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष शपथ / प्रतिज्ञान संवीक्षा दिनांक के पहले, फोटो एवं नमूना हस्ताक्षर, नाम निर्देशन पत्र प्रारूप 2-ए, शपथ पत्र प्रारूप 26 नामांकन के अंतिम दिवस 3 बजे तक लिये जाएंगे। अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन भी कर सकेंगे आयोग द्वारा व्यवस्था की गई हैं तदुपरान्त अभिलेखों का सत्यापन रिटर्निंग कार्यालय में किया जायेगा। ऑनलाइन नामांकन के लिए भारतीय चुनाव आयोग के सुविधा पोर्टल के माध्यम से उम्मीदवारों को नामांकन फार्म और शपथ पत्र फॉर्म 26 में अपने व्यक्तिगत विवरण की ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि करने के लिए सुविधा प्रदान की गई है। अभ्यर्थी encore.eci.gov.in पर ऑनलाइन नॉमिनेशन की प्रक्रिया संपन्न कर सकते हैं।

कलेक्टर एसपी ने मतगणना केंद्र इंजीनियरिंग कॉलेज का किया निरीक्षण

उज्जैन / लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र की मतगणना 4 जून 2024 को होगी। मतगणना केंद्र शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय उज्जैन को बनाया गया हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा द्वारा बुधवार को मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया गया। उन्होंने अधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतगणना की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कॉलेज का भ्रमण कर विभिन्न कक्षों में बनाए गए स्ट्रांग रूम्स और काउंटिंग हॉल पर व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेंद्र कवचे, निर्वाचन सुपरवाइजर श्री सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

आखिर इंसाफ हुआ

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट और पूर्व पुलिस इंस्पेक्टर प्रदीप शर्मा सहित 14 व्यक्तियों को फर्जी मुठभेड़ के एक मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने आजीवन कैद की सजा सुनाई है। यह सजा न केवल उतार-चढ़ाव और नाटकीय घटनाक्रम से भरे इस खास मामले के तार्किक परिणति तक पहुचंने का अहसास कराती है बल्कि इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि महाराष्ट्र में फर्जी मुठभेड़ के मामले में किसी पुलिस ऑफिसर को दोषी ठहराए जाने का यह पहला मौका है।महाराष्ट्र, खासकर मुंबई में अस्सी के दशक के मध्य से लेकर 2000 के दशक के मध्य तक कथित अपराधियों के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने की घटनाएं काफी बढ़ गई थीं। उस दौरान मुंबई पुलिस फोर्स में ऐसे कुछ अफसर उभरे थे, जो इस काम में उस्ताद माने जाने लगे। उन्हें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट और एनकाउंटर किंग जैसे खिताब दिए जाते थे। हालांकि तब भी ऐसे आरोप आम थे कि सारे एनकाउंटर सही नहीं होते। कुछ फेक एनकाउंटर भी किए जा रहे हैं। प्रदीप शर्मा का नाम भी ऐसे ही ऑफिसरों में लिया जाता रहा है। खुद प्रदीप शर्मा 25 साल के अपने करियर में 112 अपराधियों को मारने का दावा करते रहे हैं। यह अलग बात है कि मुठभेड़ में मारे जाने वाले इन कथित अपराधियों को अदालत में अपना पक्ष रखने का कोई मौका नहीं मिला। इन एनकाउंटर स्पेशलिस्ट अफसरों के चलते कहीं न कहीं पुलिस फोर्स के अंदर और बाहर यह भाव कमजोर पड़ रहा था कि पुलिस का काम अपराधियों को सजा देना नहीं, उसे पकड़कर कानून के सुपुर्द करना है।ऐसे कथित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के प्रति समाज या पुलिस फोर्स के एक हिस्से में उपजी सहानुभूति जांच प्रक्रिया को कैसे प्रभावित कर सकती है, इसके संकेत इस खास केस में भी मिलते हैं। 2006 के इस एनकाउंटर केस में छोटा राजन गैंग के कथित सदस्य लखन भैया के साथ ही पुलिस ने उसके दोस्त अनिल भेदा को भी उठाया था। भेदा उस एनकाउंटर मामले का अहम गवाह था, जिसे चार्जशीट फाइल होने के बाद रहस्यमय ढंग पहले गायब किया गया और फिर मार डाला गया। लेकिन उस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया। अदालत ने अपने फैसले में इसे शर्मनाक और न्याय का मजाक बताया।यह सच है कि फेक एनकाउंटर के इस मामले में फैसला आते-आते काफी देर हुई, यह भी कि ऐसे कई मामलों में शिकायतें अभी भी फाइलों की धूल फांक रही हैं, बावजूद इसके यह फैसला इस विश्वास को मजबूती देता है कि सिस्टम को अपनी जेब में समझने वाले देर-सबेर इसकी जद में आते हैं और उन्हें अपनी करनी का फल भुगतना पड़ता है। इस विश्वास का मजबूत बने रहना जरूरी है।

इन 3 राशियों के रिश्ते ज्यादा समय तक नहीं टिकते, दांपत्य जीवन में आती हैं परेशानी

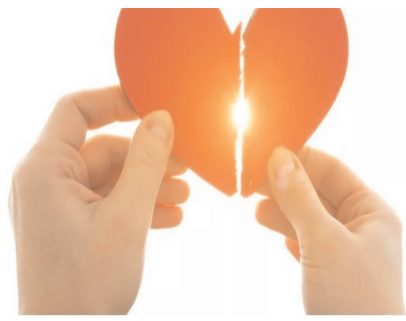

मनुष्य अपने जीवन में रिश्तों को सबसे ज्यादा महत्व देता है। अक्सर लाख कोशिशों के बावजूद रिश्ते लंबे समय तक टिक नहीं पाते हैं। यह एक सामान्य अपेक्षा है कि कोई शख्स जीवन भर आपका साथ निभाए, लेकिन कुछ लोगों के रिश्ते लंबे समय तक टिकते नहीं है। उन्हें प्रेम और वैवाहिक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिन्हें रिश्ते निभाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।सिंह राशि-ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सिंह राशि के जातक स्वार्थी होते हैं। ये अपने प्रियजनों पर तब ध्यान देते हैं जब उन्हें उनसे प्रतिफल मिलता है। वे उन चीजों को समय देते हैं, जिनसे फायदा होता है। सिंह राशिवालों में ईमानदारी की कमी होती है। इस स्वभाव के कारण इन लोगों का रिश्ता ज्यादा समय तक टिक नहीं पाता है।कुंभ राशि-वैदिक ज्योतिष के अनुसार, रिश्तों के लिहाज से कुंभ अस्थिर राशि है। इस राशि के जातक स्वभाव से खुले विचारों वाले होते हैं। उनका मन बदलता रहता है। वह अपनी कही हुई बात पर कायम नहीं रहते। ये स्वभाव से अच्छे होते हैं। ये अक्सर अपने साथी को समय देने के बजाय अपने ही ख्यालों में खोए रहते हैं।तुला राशि-तुला राशि के जातक तुरंत किसी पर भरोसा नहीं करते हैं। इनमें समर्पण की भावना होती है। ये जिन लोगों को पसंद करते हैं उनके लिए कुछ भी करते हैं। हालांकि इनके अविश्वासी स्वभाव के कारण इनका रिश्ता ज्यादा समय तक चल नहीं पाता है। इस राशिवालों से ईमानदारी की उम्मीद नहीं की जाती है।

विपक्ष के नकारात्मक प्रचार पर क्या मोदी के सकारात्मक प्रचार को मिलेगी जीत?

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है। चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और उदार बहुदलीय राजनैतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए।इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा। यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य को सुनिश्चित करने वाला है। इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है। असल में तो इन चुनाव में भाजपा की जीत तो निश्चित मानी जा रही है, लेकिन वह अपने 400 के लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं? भाजपा इसके इर्द-गिर्द अपना अभियान चला रही हैं। जबकि विपक्ष जीत का दावा करते हुए भाजपा के इस बड़े लक्ष्य को हास्यास्पद बता रहा है, उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है। भाजपा के पास बड़ा उद्देश्य है, जबकि विपक्ष भाजपा की काट करने के लिये भी प्रभावी मुद्दे नहीं तलाश पा रही है। भाजपा प्रचार में शामिल हैं- आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, नया भारत-सशक्त भारत, औद्योगिक क्रांति, दुनिया की महाशक्ति बनना, स्थिरता, शांति। विपक्ष इन ही बड़े उद्देश्यों की आलोचना कर रहा है। मोदी इन चुनावों के महानायक है, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हुए वोट मांग रहे हैं। अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं।इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा। इस वक्त मतदाता मालिक बन जाता है और मालिक याचक। बस केवल इसी से लोकतंत्र परिलक्षित है। बाकी सभी मर्यादाएं, प्रक्रियाएं हम तोड़ने में लगे हुए हैं। जो नेतृत्व स्वतंत्रता प्राप्ति का शस्त्र बना था, वही नेतृत्व जब तक पुनः प्रतिष्ठित नहीं होगी तब तक मत, मतदाता और मतपेटियां सही परिणाम नहीं दे सकेंगी। आज देश को एक सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि माने। आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भांति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गड़ाए रखें। इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं।मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशाना लगा सके। वे ही युधिष्ठिर है, जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं। जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदूरों की तरह श्रम कर रहे हैं। वे आदर्शों एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौंध में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती है। सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है। कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में। किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है। ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के

फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे देशवासियों की जागरूक चेतना को देखते हुए यह तय माना जा सकता है कि आम चुनाव का यह लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा।विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक चुनावों का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि सभी विपक्षी दलों ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच उन्हें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों के पास नहीं है। महाभारत युद्ध में भी तो ऐसा ही परिदृश्य था। कौरवों की तरफ से सेनापति की बागडोर आचार्य द्रोण ने संभाल ली थी।एक दिन दुर्योधन आचार्य पर बड़े क्रोधित होकर बोले-''गुरुवर कहां गया आपका शौर्य और तेज? अर्जुन तो हमें लगता है समूल नष्ट कर देगा। आप के तीरों में जंग क्यों लग गई। बात क्या है?'' आज लगभग हर राजनीतिक दल और उनके नेतृत्व के सम्मुख यही प्रश्न खड़ा है और इस प्रश्न का उत्तर भी और कहीं नहीं, उन्हीं के पास है। राजनीति की दूषित हवाओं ने हर राजनीतिक दल और उसकी चेतना को दूषित कर दिया है। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। इसकी वजह से लोगों में विपक्षी दलों के प्रति विश्वास इस कदर उठ गया है कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सच्चाई की साक्षी ढूंढ़ती हैं। यही कारण है कि दुर्योधन की बात पर आचार्य द्रोण को कहना पड़ा, ''दुर्योधन मेरी बात ध्यान से सुनो। हमारा जीवन इधर ऐश्वर्य में गुजरा है। मैंने गुरुकुल के चलते स्वयं 'गुरु' की मर्यादा का हनन किया है। हम सब राग रंग में व्यस्त रहे हैं। सुविधाभोगी हो गए हैं, पर अर्जुन के साथ वह बात नहीं। उसे लाक्षागृह में जलना पड़ा है, उसकी आंखों के सामने द्रौपदी को नग्न करने का दुःसाहस किया गया है, उसे दर-दर भटकना पड़ा है, उसके बेटे को सारे महारथियों ने घेर कर मार डाला है, विराट नगर में उसे नपुंसकों की तरह दिन गुजारने को मजबूर होना पड़ा। अतः उसके वाणों में तेज होगा कि तुम्हारे वाणों में, यह निर्णय तुम स्वयं कर लो। लगभग यही स्थिति आज के राजनीतिक दलों के सम्मुख खड़ी है। किसी भी राजनीतिक दल के पास आदर्श चेहरा नहीं है, कोई पवित्र एजेंडा नहीं है, किसी के पास बांटने को रोशनी के टुकड़े नहीं हैं, जो नया आलोक दे सकें। जो मोदी रूपी अर्जुन के देश-विकास के बाणों का मुकाबला कर सके।यह वक्त विपक्षी दलों और उनके उम्मीदवारों को कोसने की बजाय मतदाताओं के जागने का है। आज मतदाता विवेक से कम, सहज वृति से ज्यादा परिचालित हो रहा है। इसका अभिप्रायः यह है कि मतदाता को लोकतंत्र का प्रशिक्षण बिल्कुल नहीं हुआ। सबसे बड़ी जरूरत है कि मतदाता जागे, उसे लोकतंत्र का प्रशिक्षण मिले। हमें किसी पार्टी विशेष का विकल्प नहीं खोजना है। किसी व्यक्ति विशेष का भी विकल्प नहीं खोजना है। विकल्प तो खोजना है भ्रष्टाचार का, अकुशलता का, प्रदूषण का, भीड़तंत्र का, गरीबी के सन्नाटे का, महंगाई का, राजनीतिक अपराधों का। यह सब लम्बे समय तक त्याग, परिश्रम और संघर्ष से ही सम्भव है। धृतराष्ट्र रूपी दलों की आंखों में झांक कर देखने का प्रयास करेंगे तो वहां शून्य के सिवा कुछ भी नजर नहीं आयेगा। इसलिए हे मतदाता प्रभु! जागो! ऐसी रोशनी का अवतरण करो, जो दुर्योधनों के दुष्टों को नंगा करें और अर्जुन के नेक इरादों से जन-जन को प्रेरित करें।

चुनावी बॉण्ड के बंद होने से चुनावों में बढ़ेगा काला धन

चुनावी बॉण्ड के विवरण को सार्वजनिक करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार के साथ चंदा देने वाले उद्योगपतियों को मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। चुनावी बॉण्ड की खरीद के तहत सर्वाधिक चंदा भारतीय जनता पार्टी को मिला है। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने वित्त वर्ष 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के जरिये करीब 1,300 करोड़ रुपये का राजनीतिक चंदा जुटाया है। यह राशि इसी अवधि में चुनावी बॉन्ड के जरिये कांग्रेस को मिले चंदे की तुलना में सात गुना अधिक है। कांग्रेस को चुनावी बॉन्ड के जरिये 171 करोड़ रुपये की आय हुई, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 236 करोड़ रुपये से कम है। राज्य स्तर पर समाजवादी पार्टी को 2021-22 में चुनावी बॉन्ड के जरिए 3.2 करोड़ रुपये की आय हुई थी लेकिन 2022-23 में उसे इन बॉन्ड के जरिये कोई धनराशि नहीं मिली। वहीं, राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त एक अन्य दल तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के माध्यम से 34 करोड़ रुपये मिले, जो पिछले वित्त वर्ष से 10 गुना अधिक राशि है। ऐसा नहीं है कि एसबीआई के लिए बॉण्ड की जानकारी का खुलासा करना कोई बहुत कठिन काम हो। एसबीआई चाहे तो 24 घंटे में जानकारी को मुहैया करा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अर्जी दाखिल करके बॉण्ड की जानकारी सार्वजनिक करने के लिए 30 जून तक समय मांगा है। दरअसल इस बीच लोकसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएंगे। इसके बाद केंद्र की भाजपा सरकार को मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इससे पहले चुनावी बॉण्ड का खुलासा होने पर सर्वाधिक समस्या बॉण्ड के रूप में चंदा देने वाले उद्योगपतियों और व्यवसायियों को करना पड़ेगा। भाजपा को चुंकि सर्वाधिक चंदा मिला है, ऐसे में बॉण्ड के खरीददार कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के निशाने पर रहेंगे। विशेष कर जिन राज्यों में कांग्रेस और गैर भाजपा दलों की सरकारें हैं, उनमें बॉण्ड खरीददारों को सत्तारुढ़ दलों के कोपभाजन का निशाना बनना पड़ सकता है। राजनीतिक दुर्भावना की नीयत से इनके खिलाफ कार्रवाई करने में विपक्षी दल कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। गौरतलब है कि राहुल गांधी और विपक्षी पार्टी के नेता पहले ही अडानी और अंबानी को घेरे हुए हैं। यही वजह है कि एसबीआई गले पड़ी इस मुसीबत को टालने के लिए 30 जून तक का समय मांग रही है। इस अवधि के बाद केंद्र की भाजपा सरकार को किसी बात का डर नहीं रहेगा। भाजपा को पूरी उम्मीद है कि फिर केंद्र में सरकार उसकी की बनेगी। सरकार बनने के बाद भाजपा के बॉण्ड के खरीददारों को सुरक्षा देने

में केंद्र सरकार कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। लेकिन इससे पहले यदि इनके नामों का खुलासा किया गया तो निश्चित तौर पर राज्यों के सत्तारुढ़ विपक्षी दल खरीददारों का बख्शेंगे नहीं। कारण स्पष्ट है कि भाजपा की तुलना कांग्रेस को बेहद कम और अन्य दलों को अल्पमात्र चंदा मिला है। पिछले महीने, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच- न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया था और एसबीआई को राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बांड के विवरण का खुलासा करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि जानकारी में नकदीकरण की तारीख और बांड के मूल्यवर्ग को शामिल किया जाना चाहिए और 6 मार्च तक चुनाव पैनल को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को आदेश दिया था कि वह इन बॉन्डों को जारी करना बंद कर दे और इस माध्यम से किए गए दान का विवरण चुनाव आयोग को दे। इसके बाद चुनाव आयोग से कहा गया कि वह इस जानकारी को 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करे। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने माना कि काले धन से लडने और दानदाताओं की गोपनीयता बनाए रखने का घोषित उद्देश्य इस योजना का बचाव नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि चुनावी बांड काले धन पर अंकुश लगाने का एकमात्र तरीका नहीं है। चुनावी बांड योजना 2018 में काले धन को राजनीतिक प्रणाली में प्रवेश करने से रोकने के घोषित उद्देश्य के साथ शुरू की गई थी। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि भारत में राजनीतिक फंडिंग की पारंपरिक प्रथा नकद दान है। उन्होंने कहा था, ÷स्रोत गुमनाम या छद्म नाम हैं। धन की मात्रा का कभी खुलासा नहीं किया गया। वर्तमान प्रणाली अज्ञात स्रोतों से आने वाले अशुद्ध धन को सुनिश्चित करती है। यह पूरी तरह से गैर-पारदर्शी प्रणाली है। गोपनीयता खंड पर, उन्होंने कहा था कि दानदाताओं की पहचान का खुलासा उन्हें नकद विकल्प पर वापस ले जाएगा। दानकर्ता की जानकारी गोपनीय रखने के लिए एसबीआइ ने इलेक्टोरल बांड की खरीद और भुगतान के संबंध में देशभर में अपनी 29 अधिकृत शाखाओं (जहां से पहले इलेक्टोरल बांड जारी होते थे) के लिए एक स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) तय किया था। इसमें कहा गया था कि गोपनीयता बनाए रखने के लिए इलेक्टोरल बांड खरीदने वाले के बारे में कोई भी ब्योरा यहां तक कि केवाइसी भी कोर बैंकिंग सिस्टम में नहीं डाली जाएगी। एसबीआइ ने कहा है कि शाखाओं के जरिए खरीदे गए इलेक्टोरल बांड का ब्योरा केंद्रीयकृत ढंग से एक जगह नहीं रखा जाता। बांड खरीदने और उसके भुगतान की तिथि से जुड़ा ब्योरा दो भिन्न सिलोस में रखा जाता है। भारतीय स्टेट बैंक ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए चुनावी बॉण्ड का विवरण अब तक साझा नहीं किया है। इसकी डेडलाइन भी निकल चुकी है। स्टेट बैंक ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए चुनावी बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय देने का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर एक आवेदन में स्टेट बैंक ने दलील दी कि प्रत्येक साइलो से जानकारी फिर से प्राप्त करना और एक साइलो की जानकारी को दूसरे से मिलाने की प्रक्रिया में समय लगेगा।

प्राइम वीडियो इवेंट में मिर्जापुर 3 की घोषणा की गई, गुड्डु भैया का मचेगा तगड़ा भौकाल

मिर्जापुर 3 के फर्स्ट लुक की घोषणा 19 मार्च को एक भव्य कार्यक्रम में की गई थी। विशेष घोषणा अली फज़ल, पंकज त्रिपाठी और श्वेता त्रिपाठी सहित अन्य स्टार कलाकारों की उपस्थिति में की गई थी। 2018 में रिलीज़ हुई मिर्जापुर अपने बहुप्रतीक्षित तीसरे सीज़न को रिलीज़ करने के लिए तैयार है। यह अब तक की सबसे बहुप्रतीक्षित सीरीज में से एक है। प्राइम वीडियो इवेंट के दौरान मिर्जापुर 3 की घोषणा की गई।इवेंट के दौरान अली ने बताया कि %मिर्जापुर 3% अपने डेब्यू सीज़न की तरह ही सार बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि जहां नए किरदारों को पेश किया जाएगा, वहीं कुछ पुराने किरदारों को अलविदा भी कहा जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तीसरा सीज़न अधिक रोमांचक होगा। टीज़र की पहली झलक में पंकज त्रिपाठी को कालीन भैया की प्रतिष्ठित भूमिका में दिखाया गया है। इसमें अली को अपने असभ्य अवतार में भी दिखाया गया है क्योंकि वह दूसरों पर अपनी बंदूकें चलाता है।मनोज बाजपेयी विशेष खंड के मेजबान थे। वहां, अली ने मज़ाकिया ढंग से अपने प्रतिष्ठित संवाद को दोहराया, ÷शुरू मजबूरी में किये थे पर अब मजा आ रहा है।÷ इसके तुरंत बाद, पंकज त्रिपाठी भी इसमें शामिल हो गए और उन्होंने मनोज को रिलीज की तारीख बताने के लिए राजी किया।आगामी सीरीज की पहली झलक देखने के लिए प्रशंसक काफी उत्साहित थे। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, ÷गुड्डू भैया आ रहे हैं (गुड्डी भाई वापस आ रहे हैं)÷ जबकि दूसरे ने लिखा, ÷बनने में चार साल लग गए, लेकिन आखिरकार इंतजार खत्म हो रहा है ! मिर्जापुर का सीजन 3 जल्द ही आ रहा है।मिर्जापुर 3 की शूटिंग महीनों पहले पूरी हो गई थी। तभी से फैंस इसकी रिलीज की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं. मिर्ज़ापुर का पहला सीज़न 16 नवंबर 2018 को रिलीज़ हुआ था। दूसरा सीज़न अक्टूबर 2020 को रिलीज़ हुआ था। यह मिर्ज़ापुर के राजा, कालीन भैया, जिनकी भूमिका पंकज त्रिपाठी ने निभाई है, और पंडित ब्रदर्स, गुड्डू और बब्लू की कहानी है। पहला सीज़न एक ब्लॉकबस्टर था और इसकी मनोरंजक कहानी और सभी पात्रों के अद्भुत प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों द्वारा इसकी सराहना की गई थी। मिर्जापुर में पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, विक्रांत मैसी, दिव्येंदु शर्मा और हर्षिता गौर जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

अभिषेक मल्हान, जिया शंकर रोहित शेट्टी के शो से बाहर? मनीषा रानी को लेने के इच्छुक हैं मेकर्स?

खतरों के खिलाड़ी 14 चर्चा में है। हर कोई जानना चाहता है कि शो के प्रतियोगी कौन होंगे। यह शो कई सालों से लोगों का दिल जीत रहा है और अब हर कोई यह देखना चाहता है कि नए सीजन में कौन-कौन प्रतिभागी होंगे। बिग बॉस 17 खत्म होने के बाद से ही लोग रोहित शेट्टी के खतरों के खिलाड़ी 14 का इंतजार कर रहे हैं। शो को लेकर काफी कुछ कहा जा रहा है. बताया जा रहा था कि खतरों के खिलाड़ी के लिए कास्टिंग शुरू हो चुकी है और उन्होंने कुछ सेलिब्रिटीज को शॉर्टलिस्ट भी कर लिया है। बताया जा रहा था कि मनीषा रानी को शो के लिए अप्रोच किया गया है लेकिन बॉलीवुडलाइफ से बात करते हुए उन्होंने कहा था कि वह कुछ समय इंतजार करना चाहती हैं और फिर शो करना चाहती हैं क्योंकि उन्होंने अभी झलक दिखला जा 11 के लिए कड़ी मेहनत की है और शारीरिक रूप से तैयार नहीं हैं।हालांकि, टेली एक्सप्रेस की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि मेकर्स चाहते हैं कि मनीषा रानी शो का हिस्सा बनें। यह भी खबर आई थी कि मेकर्स ने मनीषा के सबसे अच्छे दोस्त अभिषेक मल्हान से संपर्क किया है। उनके बिग बॉस ओटीटी 2 स्टार जिया शंकर को भी शो के लिए संपर्क किया गया था। हालांकि, रिपोर्ट्स का कहना है कि अभिषेक और जिया ने शो से किनारा कर लिया है।हालाँकि, अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। अब तक रिपोर्ट्स के मुताबिक नील भट्ट, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, अभिषेक कुमार, मुनव्वर फारुकी, ईशा मालविया, मनस्वी ममगई, समर्थ जुरेल, मन्नारा चोपड़ा, सनाया ईरानी, आकांक्षा पुरी को शो के लिए अप्रोच किया गया है।ये रिश्ता क्या कहलाता है स्टार हर्षद चोपड़ा और पंड्या स्टोर एक्ट्रेस एलिस कौशिक को भी ऑफर दिया गया है। झलक दिखला जा 11 के स्टार्स शोएब इब्राहिम, संगीता फोगाट, अद्रिजा सिन्हा को भी ऑफर मिला। खबर है कि खतरों के खिलाड़ी 14 की शूट लोकेशन भी केप टाउन से बदलकर थाईलैंड या जॉर्जिया कर दी जाएगी।

भगवान श्री राम के दर्शन करने पति निक जोनास और बेटी मालती के साथ अयोध्या पहुंची प्रियंका चोपड़ा

विश्व में भारत का नाम रोशन करने वाली प्रियंका चोपड़ा में हैं। वह अपने परिवार के साथ भागवान राम के दर्शन करने के लिए अयोध्या पहुंची हैं। हाल ही में दुबई में छुट्टियां एन्जॉय कर रहीं प्रियंका चोपड़ा पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी के साथ उत्तर प्रदेश के अयोध्या पहुंचीं। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा देसी गर्ल के अयोध्या हवाईअड्डे पर पहुंचने का एक वीडियो साझा किया गया जिसमें जोड़े को भारतीय पोशाक पहने देखा जा सकता है। वीडियो में पीसी को पीले रंग की साड़ी पहने देखा जा सकता है, जबकि निक ने सफेद रंग का कुर्ता पायजामा चुना।इस बीच, प्रियंका को सोमवार को मुंबई में फरहान अख्तर के घर जाते हुए भी देखा गया। वह इससे

पहले फिल्म निर्माता के साथ डॉन (2006) और इसके सीक्वल में काम कर चुकी हैं। हालांकि, प्रशंसक अनुमान लगा रहे हैं कि वह फिल्म निर्माता से उनके प्रोजेक्ट जी ले जरा के सिलसिले में मिलीं, जिसमें आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ भी हैं। फिल्म की घोषणा 2021 में की गई थी, हालांकि, तब से इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई अपडेट नहीं आया है।हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, फरहान ने पहले प्रियंका के साथ डॉन 3 के बारे में चर्चा की थी और अभिनेत्री की ओर से हरी झंडी का इंतजार कर रहे हैं।जनवरी में प्रियंका ने निक के साथ लॉस एंजिल्स के एक मंदिर में अपनी बेटी का दूसरा जन्मदिन मनाया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी मंदिर यात्रा की तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की और लिखा, %%वह हमारा चमत्कार है। और वह 2 साल की है।पूर्व मिस वर्ल्ड को आखिरी बार सैम ह्यूगन के साथ रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लव अगेन में देखा गया था। यह फिल्म 2016 की जर्मन फिल्म एसएमएस फर डिच का अंग्रेजी रीमेक है। PeeCee अगली बार एक्शन कॉमेडी फिल्म, हेड्स ऑफ स्टेट्स में दिखाई देगी। आगामी फिल्म में इदरीस एल्बा, जॉन सीना और स्टीफन रूट भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।

खेल सरोवर-खेल सरोवर-खेल सरोवर

आईपीएल 2024 ओपनिंग सेरेमनी में लगेगा बॉलीवुड का तड़का, हजारों फैंस की मौजूदगी में ये सेलेब्स बिखेरेंगे जलवा

दुनिया की सबसे मंहगी लीग यानी आईपीएल के 17वें सीजन का आगाज 22 मार्च को होगा। इस सीजन का पहला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला जाएगा। लेकिन इससे पहले भव्य ओपनिंग सेरेमनी का आयोज किया जाएगा। जहां बॉलीवुड के कई बड़े सितारे एंटरटेनमेंट का तड़का लगाएंगे। बीसीसीआई शानदार ओपनिंग शो करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, आईपीएल 2024 की ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां पहुंच सकती है। अक्षय कुमार- टाइगर श्रॉफ स्पेशल परफॉर्मेंस कर सकते हैं। इसके अलावा एआर रहमान और सोनू निगम भी अपनी आवाज का जादू बिखेर सकते हैं। हालांकि, बोर्ड की तरफ से कोई जानकारी सामने नहीं आई है। आईपीएल 2024 का उद्घाटन समारोह 22 मार्च को शाम 6.30 बजे से शुरू होगा। ओपनिंग सेरेमनी की सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएघा। साथ ही जियो सिनेमा ऐप और वेबसाइट पर भी लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। आईपीएल 2024 का पहला मुकाबला गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। फैंस इस मैच को लेकर काफी उत्साहित हैं।

एमएस धोनी के बारे में ये क्या कह गए नवजोत सिंह सिद्धू

राजनीति की पिच छोड़कर नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर कमेंट्री में वापसी करने जा रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के दौरान स्टार स्पोर्ट्स के कमेंट्री पैनल में नवजोत सिंह सिद्धू भी शामिल हैं और उन्होंने आईपीएल के आगाज से पहले ही अपनी कमेंट्री से सबको अपनी ओर खींच लिया है। टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू के लिए कमेंट्री कोई नई बात नहीं है। क्रिकेट से संन्यास के बाद सिद्धू ने लंबे समय तक कमेंट्री की है, लेकिन इसके बाद वह राजनीति में चले गए और कमेंट्री से उन्होंने दूरी बना ली। लेकिन एक बार फिर राजनीति की पिच को छोड़कर एक बार फिर सिद्धू कमेंट्री पैनल में आ रहे हैं और उनकी कमेंट्री सुनना कितना मजेदार अनुभव होने वाला है, इसका नजराना तो अभी देखा जाएगा। स्टार स्पोर्ट्स ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से सिद्धू का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें एमएस धोनी को लेकर अपने दिल की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि, इस आदमी को देखिए, इसकी फिटनेस देखिए, ये विकेटकीपर है, 42 साल की उम्र में ये आदमी सीएसके की कप्तानी कर रहा है और टीम को जीत भी दिला रहा है। ये जो कर रहा है, वो शानदार है, मेरे लिए ये संभव है ही नहीं, मैं तो इसे चमत्कार मानता हूं। चमत्कार है, तो नमस्कार है।उन्होंने आगे कहा कि, सोने को तुम आग में डालोगे, तो कुंदन बनकर निकलेगा। तो सोना तो सोना है, वो आग में काला नहीं होता। ये वो आदमी है, जो एक अजूबा है, मुश्किल चीजें करने में समय लगता है। लेकिन असंभव चीजें करने में बहुत समय लगता है। जो भी धोनी ने किया है, वह मेरी डिक्शनरी में असंभव था। आपने भालू देखे हैं, जो हाइबरनेशन में 6-6 महीने रहते हैं, लेकिन जब आते हैं, तो सबके छक्के छुड़ा देते हैं, धोनी भी ऐसे ही हैं।

आईपीएल 2024 में दिग्गजों की आवाज में होगी कमेंट्री

आईपीएल के 17वें सीजन के आगाज में अब बस एक दिन शेष रह गया है। इस बीच टूर्नामेंट के ऑफिशियल डिजिटल स्ट्रीमिंग पार्टनर जियो सिनेमा ने अपनी कमेंट्री टीम का ऐलान कर दिया है। इस बार हरियाणवी में भी आईपीएल की कमेंट्री सुनाई देगी। वीरेंद्र सहवाग हरियाणवी में कमेंट्री करते नजर आएंगे। वहीं, पूर्व क्रिकेट अयज जडेजा गुजराती कमेंट्री में डेब्यू करेंगे। बता दें कि, जियो सिनेमा पर हिन्दी और अंग्रेजी समेत कुल 12 भाषाओं में कमेंट्री सुनने को मिली। इनमें अंग्रेजी और हिन्दी के अलावा मराठी, गुजराती, भोजपुरी, पंजाबी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड भाषा शामिल है, जबकि हरियाणवी का डेब्यू होगा। आईपीएल चैंपियन शेन वॉटसन और न्यूजीलैंड के पूर्व कोच और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के क्रिकेट निदेशक माइक हेसन भी कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। जियो सिनेमा का हीरो कैम भी आईपीएल 2024 में देखा जाएगा, जहां हर समय एक कैमरा टीम के कप्तान पर रहेगा। हालांकि, कुछ मौकों पर ये कैमरा रोहित शर्मा और विराट कोहली पर भी रहेगा, क्योंकि वो कप्तान नहीं है लेकिन उनसे बड़ा हीरो इस समय कोई नहीं है।

दाऊद इब्राहिम का रिश्तेदार होना गर्व की बात... पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी जावेद मीयांदाद का बयान

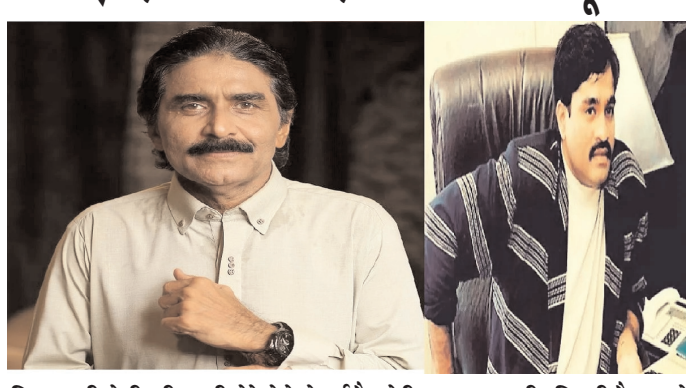

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का रिश्तेदार होने को गर्व की बात बताया है। जावेद और दाऊद आपस में समधी हैं। दाऊद की बेटी की शादी जावेद मियांदाद के बेटे से हुई है। जावेद ने इस पर खुशी जाहिर की है और कहा है कि, दामाद होना खुशी की बात है। उनका कहना है कि दाऊद ने मुस्लिमों के लिए बहुद कुछ किया है। पाकिस्तानी पत्रकार हसन नासिर को दिए इंटरव्यू में जावेद मियांदाद ने ये बात कही है। उन्होंने कहा कि, मैं दुबई से ही लंबे समय से दाऊद को जानता हूं। ये मेरे लिए सम्मान की बात है कि उनकी बेटी की शादी मेरे बेटे से हुई है। मेरी बहू बहुत पढ़ी-लिखी है। उसने कॉन्वेंट स्कूल से पढ़ाई की और फिर आगे की स्टडी एक नामी यूनिवर्सिटी से की है। जावेद मियांदाद के बेटे जुनैद और दाऊद की बेटी माहरुख की शादी 19 साल पहले हुई थी। दोनों ने साल 2005 में दुबई में शादी की थी। शादी समारोह के दौरान सुरक्षा का खास ख्याल रखा गया था और पूरा समारोह हाई सिक्योरिटी में हुआ था। जावेद मियांदाद ने आगे कहा कि दाऊद को लेकर लोगों के दिमाग में गलतफहमी है वो वैसे इंसान नहीं हैं जैसा भारत के लोग उनके बारे सोचते हैं। दाऊद को समझ पाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि लोग जैसा दाऊद के परिवार के बारे में सोचते हैं, वैसा कुछ भी नहीं है।

प्रभारी कार्यपालन यंत्री पीएचई छिंदवाड़ा निलंबित

भोपाल । राज्य शासन ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड छिंदवाड़ा के प्रभारी कार्यपालन यंत्री मनोज बघेल को नियमों के विपरीत जाकर मनमानीपूर्ण तरीके से कार्य करने पर निलंबित कर दिया है।उप सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि जल-जीवन मिशन के कार्यों की आमंत्रित निविदाओं में शासन के आदेशों के विपरीत निविदापूर्व अर्हता की शर्तों को रखा गया था। इस संबंध में की गई शिकायतों को सही पाया गया। प्रभारी कार्यपालन यंत्री को जारी किये गये कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब समय पर नहीं दिया गया।शासन ने प्रभारी कार्यपालन यंत्री द्वारा किये गये नियम विरुद्ध कार्यों के कृत्य को स्वैच्छाचारिता एवं मनमानीपूर्ण मानते हुए मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम-1966 के नियम-9 (1) (क) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने मतदाता जागरुकता वाहनों को हरी झंडी दिखाई

जागरूकता वाहन मतदाताओं को वोट करने के लिये प्रेरित करेंगे

भोपाल । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बुधवार को निर्वाचन सदन, भोपाल से मतदाता जागरुकता के लिये तैयार किये गये 75 विशेष प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री राजन ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन-2023 में प्रदेश के 26 जिलों की 75 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत 75 फीसदी से कम रहा था। इन 75 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये ये विशेष जागरुकता वाहन तैयार किये गये हैं। इन वाहनों में बैनर्स, पोस्टर्स, स्लोगन्स, प्लाज्मा टीवी के जरिये मतदाता जागरुकता गीत, रील, वीडियो आदि दिखाकर मतदाताओं को उनके मताधिकार का उपयोग

अवश्य करने के लिये अभिप्रेरित किया जायेगा। ये प्रचार वाहन अगले एक महीने तक (लोकसभा निर्वाचन-2024) के दौरान संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में रहकर अधिकतम आबादी तक पहुंचकर वोटिंग के लिये प्रेरित करने का कार्य करेंगे।

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिककारी श्री बसंत कुर्रे, श्री मनोज खत्री, श्री तरूण राठी और श्री विवेक श्रोत्रिय, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, भोपाल श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि ये प्रचार वाहन 26 जिलों क्रमशः मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, दतिया, गुना, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, कटनी, जबलपुर, भोपाल, देवास, खण्डवा, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, उज्जैन एवं रतलाम भेजे गये हैं।

अब चुनाव में मतदान दिवस के कवरेज में शामिल प्राधिकृत पत्रकारों को भी मिलेगी पोस्टल बैलेट से वोट करने की सुविधा

भारत निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना जारी कर पत्रकारों को अत्यावश्यक सेवा श्रेणी में माना

भोपाल । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अब मतदान दिवस के कवरेज मेंशामिल प्राधिकृत पत्रकारों को भी पोस्टल बैलेट से वोट डालने की सुविधा प्रदान की गई है। आयोग ने गत दिवस अधिसूचना जारी कर पत्रकारों के कार्य को अत्यावश्यक सेवा श्रेणी में स्थान देकर यह सुविधा प्रदान की है। यह सुविधा केवल उन पत्रकारों को मिलेगी, जिन्हें निर्वाचन कार्य के कवरेज हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकार पत्र जारी किया गया हो। चुनाव कार्य के कवरेज में संलग्न पत्रकार को अपना प्राधिकार पत्र लगाकर पोस्टल बैलेट से मतदान करने के लिये आवेदन करना होगा। तय प्रक्रिया का पालन करने एवं प्राधिकार पत्र संलग्न करने पर संबंधित निर्वाचन अधिकारी प्राधिकृत पत्रकार को पोस्टल बैलेट जारी कर उनसे मतदान करायेंगे।उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक स्वास्थ्य, गृह (अग्निशमन सेवाएं), ऊर्जा विभाग के अमले सहित निर्वाचन कार्य में मतदान दिवस के कवरेज में संलग्न भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्राधिकार पत्रधारी पत्रकारों को अत्यावश्यक सेवा श्रेणी में अधिसूचित किया है। इसका आशय यह है कि सेवा में रत रहने की वजह से कोई भी मतदान करने से वंचित न रहे। आयोग की मंशा के अनुरूप अधिसूचित सेवाओं के व्यक्ति पोस्टल बैलेट से मतदान कर सकेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय गौरेया दिवस पर क्विज प्रतियोगिता

भोपाल । अंतर्राष्ट्रीय गौरेया दिवस के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में स्थित स्नेक पार्क पर 'On the spot' क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें वन विहार में भ्रमण करने आए लगभग 115 पर्यटकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। पर्यटकों को पाँच ग्रुप में बाँटकर बर्ड्स (गौरेया) से सम्बन्धित प्रश्न पूछे तथा पूछे गए प्रश्नों पर वार्तालाप कर पक्षियों से संबंधित एवं विश्व में पाई जाने वाली पक्षियों की प्रजातियाँ के बारे में जानकारी दी गई। विशेष तौर पर गौरेया का पर्यावरण में क्या महत्व है यह भी समझाया गया। जिन प्रतिभागियों प्रतियोगिता में अधिकतम सही उत्तर दिए उन्हें पुरूस्कृत किया गया।क्विज का आयोजन संचालक, वन विहार तथा सहायक संचालक, वन विहार के निर्देशानुसार किया गया। श्री रविकांत जैन, इकाई प्रभारी पर्यटन, वन विहर, श्री विजय बाबू नंदवंशी, बायोलॉजिस्ट, वन विहार एवं श्री संकल्प किसनानी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी गठित

भोपाल । राज्य शासन द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किए जाने वाले विभागों के प्रस्ताव का परीक्षण/अनुशंसा करने के लिए स्क्रीनिंग कमेटी का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया है। समिति में प्रमुख सचिव, सामान्य प्रशासन तथा प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाले विभागों से संबंधित अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव सदस्य होंगे।लोकसभा निर्वाचन-2024 के संदर्भ में जारी आचार संहिता के दौरान अब कोई भी विभाग अपना प्रस्ताव स्क्रीनिंग कमेटी के परीक्षण / अनुशंसा के पहले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अथवा सीधे भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित नहीं करेगा। स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत करने के पूर्व प्रशासकीय विभाग भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों/ स्पष्टीकरण का पर्याप्त अध्ययन और उसके अनुसार परीक्षण करते हुए भारत निर्वाचन आयोग के सु-संगत निर्देशों/आदेशों का हवाला देते हुए उसे संदर्भित करेगा।प्रशासकीय विभाग को अपने प्रस्ताव में यह औचित्य भी दर्शाना होगा कि प्रस्ताव क्यों अत्यन्त महत्वपूर्ण है और निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक इसे क्यों नहीं रोका जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किया जाने वाला प्रस्ताव स्वयं स्पष्ट टीप के रूप में भेजा जाएगा। प्रस्ताव भेजने के पूर्व भारत निर्वाचन आयोग के निर्णय में लगने वाले संभावित समय का विशेष ध्यान रखा जाए।

भोपाल में छह साल के लड़के को कुत्ते ने काटा, जबड़ा नोंचा, खा गए दांत, हालत गंभीर

भोपाल, । श्यामला हिल्स क्षेत्र के गंगानगर बस्ती में छह वर्ष के बालक पर आवारा श्वान ने हमला कर दिया। हमले में बालक बुरी तरह घायल हो गया। जिसे स्वजनों ने उपचार के लिए कमला नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जहां बालक का उपचार चल रहा है और हालत गंभीर बनी हुई है। मंगलवार शाम को हुई घटना ने एक बार फिर से आवारा श्वानों को लेकर किए गए दावों की पोल खोलकर रख दी है ।जानकारी के अनुसार आंचलिक विज्ञान केंद्र के पास गंगानगर बस्ती में रहने वाले इमरान परिवार सहित रहते हैं।उनका छह वर्ष का बेटा हुमेर मंगलवार शाम को घर के बाहर खेल रहा था।इसी दौरान आवारा श्वान ने

उस पर हमला कर दिया। हमले में श्वान ने बच्चे के मुंह, जबड़े, आंख को नोंच डाला और उसके तीन दांत तक खा गए।श्वान के हमले से बच्चे ने चिल्लाना शुरू कर दिया, जिससे आसपास के लोग और स्वजन मौके पर पहुंचे। जिन्होंने श्वान से उसको बचाया और गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डाक्टर ने बच्चे का प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया था।उसके चेहरे पर आंख और मुहं के पास गहरे घाव होने से हालत गंभीर बनी हुई है। बच्चे की हालत ज्यादा गंभीर होने के चलते स्वजन बुधवार को नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी के पास मदद के लिए पहुंचे। जिसके बाद पूरी घटना का खुलासा हुआ।एक बार फिर आवारा श्वान ने छह वर्ष के बालक हुमेर को दर्दनाक घाव दे दिए हैं।इस घटना से स्पष्ट हो गया है कि नगर निगम द्वारा किए जा रहे सारे प्रयास कागजों में चल रहे हैं, न तो नसबंदी की जा रही है और न ही धरपकड़ की जा रही है। सिर्फ परिषद की बैठक में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं।

प्रदेश में पहले दिन 3 उम्मीदवारों ने 6 नामांकन पत्र दाखिल किए

भोपाल । लोकसभा निर्वाचन-2024 के निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार पहले चरण के लिये बुधवार, 20 मार्च को अधिसूचना जारी कर दी गई। अधिसूचना दिनांक से नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। प्रदेश में पहले दिन 3 उम्मीदवारों ने 6 नामांकन पत्र दाखिल किये है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि नाम निर्देशन प्रक्रिया के पहले दिन लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-11 सीधी में 2 उम्मीदवारों ने 5 नाम निर्देशन पत्र एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-12 शहडोल (अजजा) में 1 उम्मीदवार द्वारा 1 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया है। प्रथम चरण के शेष चार लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-13 जबलपुर, क्रमांक-14 मंडला (अजजा), क्रमांक-15 बालाघाट एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-16 छिन्दवाड़ा में किसी भी उम्मीदवार द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल नहीं किया गया।श्री राजन ने बताया कि पहले चरण के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि बुधवार, 27 मार्च है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा गुरुवार, 28 मार्च को की जाएगी। नामांकन भर चुके प्रत्याशी शनिवार, 30 मार्च तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। पहले चरण के लिए शुक्रवार, 19 अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना 4 जून को होगी।

पुरानी रंजिश में युवक पर पांच लोगों ने चाकू-तलवार किया जानलेवा हमला

भोपाल । राजधानी के टीटी नगर इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर पांच लोगों ने मिलकर चाकू-डंडे-तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पांचों आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।टीटी नगर पुलिस के मुताबिक स्वयं उर्फ सिब्बू धायत (20) कोटरा सुल्तानाबाद में रहता है और पढ़ाई करता है। उसने पुलिस को बताया कि 17 मार्च की रात करीब 11 बजे वह माता मंदिर चौराहा स्थित किराना दुकान के सामने खड़े होकर अपने दोस्तों के साथ बातचीत कर रहा था। इसी बीच शुभम परतेती और आलोक पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगे। इस बीच उनके तीन और साथी बाली उर्फ रोहित, अभय सोनी और आकाश भी आ गए। सिब्बू ने जब गाली-गलौज करने से मना किया तो सभी ने मिलकर डंडे, छुरी और तलवार से उस पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव किया तो आरोपित मौके से भाग निकले। गंभीर रूप से घायल सिब्बू को उसके साथी इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां सर्जन नहीं होने के कारण उसे देर रात चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गंदगी देख भड़के निगमायुक्त, कहा कचरा फेंकने पर करें कार्रवाई

भोपाल । नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण बुधवार को शहर में विभिन्न स्थानों पर सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करने निकले। इस दौरान गंदगी और कचरे के ढेर देखकर वह भड़क गए और उन्होंने गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इतना ही नहीं, वीसी के माध्यम से निगमायुक्त ने अन्य अधिकारियों को साफ-सफाई की जमीनी स्थिति के बारे में भी बताया।जानकारी के अनुसार निगमायुक्त हरेंद्र नारायण ने बुधवार को शहर के लिंक रोड नंबर दो, सात नंबर स्टाप, पुराना आरटीओ क्षेत्र, मानसरोवर, एमपी नगर जोन एक, दो, ज्योति टाकीज, चेतक ब्रिज-अन्ना नगर मार्ग, भेल दशहरा मैदान से महात्मा गांधी चौराहा सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर साफ-सफाई की जमीनी हकीकत देखी। साथ ही आंतरिक मार्गों में भी साफ-सफाई का अवलोकन किया और वीसी के माध्यम से अधिकारियों को गंदगी एवं कचरे के ढ़ेर की स्थिति से रूबरू कराया। जगह -जगह करचे के ढेर मिलने पर नाराजगी जताते हुए तत्काल हटवाने और सीएंडडी वेस्ट फेंकने वालों पर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

अपनी अपनी जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए दीपोत्सव की तैयारियां करें-निगम आयुक्त

निगम आयुक्त ने दीपोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की

उज्जैन। निगम आयुक्त आशीष पाठक ने बुधवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय में 9 अप्रैल वर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा नगर गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव अन्तर्गत दीपोत्सव की तैयारियों के संबंध में समीक्षा की गई एवं निर्देशित किया कि समस्त अधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारीयों को ध्यान में रखते हुए दीपोत्सव की तैयारियां करें घाटों पर ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए व्यवस्थाएं की जाए।

गुड़ी पड़वा नगर गौरव दिवस के अवसर पर इस वर्ष शिव ज्योति अर्पमण् महोत्सव अन्तर्गत 26 लाख दीप प्रज्जवलित करते हुए विश्व कीर्तिमान रचा जाएगा एवं गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज करवाया जाएगा। नगर पालिक निगम द्वारा प्रारंभीक तैयारियां शुरू कर दी है। निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा दीपोत्सव की तैयारियों के संबंध में निगम अधिकारीयों के साथ समीक्षा की गई एवं निर्देशित किया गया कि संभवतः 05 अप्रैल तक गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम शहर में आ जाएगी इससे पूर्व सम्पूर्ण तैयारी सुनिश्चित की जाए। घाटों की रंगाई पुताई, साफ सफाई के साथ ही जहां आवश्यक है वहां पेड़-पौधों की ट्रीमिंग कराई जाए। घाटों की धुलाई कराई जाए, दीपक रखने के लिए लेआउट तैयार करते हुए ब्लॉक बनाए जाने का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए एवं सुरक्षा की दृष्टी से ब्लॉक बनाए जाने के पश्चात् बेरिकेडिंग की जाए ताकि कोई प्रवेश ना कर सके।

निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक ने निर्देशित किया कि दीपोत्सव के समय ग्रीष्म ऋतु रहेगी इसलिए घाटों पर तैनात वालेंटियर्स के लिए ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए, आवश्यकतानुसार छायादार टेंट, पेयजल हेतु पर्याप्त पानी की व्यवस्था रहे इसके लिए पीएचई द्वारा भूखी माता एवं कर्क राज घाट पर पानी की लाइन डाली जाए ताकि पानी की सप्लाई निर्बाध रूप से जारी रहे। इसी के साथ ही दीपोत्सव से संबंधित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी समय पूर्व सुनिश्चित की जाए।

निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा बैठक में सिंहस्थ से संबंधित कार्यो की भी चर्चा की गई एवं निर्देशित किया कि सिंहस्थ महापर्व से संबंधित जो भी कार्य नगर निगम द्वारा किए जाने है उसके संबंध में संबंधित विभाग व्यय आकलन करें एवं प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें।

बैठक में अपर आयुक्त श्री आर.एस. मंडलोई, श्री दिनेश चौरसिया, उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, श्रीमती कृतिका भीमावत, श्री प्रेम कुमार सुमन, श्रीमती आरती खेडेकर, सहायक आयुक्त श्रीमती पूजा गोयल, श्री प्रदीप सेन सहित निगम के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

निगम अमले द्वारा किया जा रहा है घाटों का सफाई कार्य

उज्जैन। आगामी 9 अप्रैल वर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा नगर गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव का भव्य आयोजन के लिए नगर निगम स्वास्थ्य विभाग, वर्कशॉप विभाग एवं उद्यान विभाग के अमले द्वारा घाटों का सफाई कार्य किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता ने बताया कि दीपोत्सव की तैयारियों के तहत नगर निगम द्वारा क्षिप्रा नदी के घाटों का सफाई कार्य प्रारंभ किया गया है जिसमें स्वास्थ्य विभाग, वर्कशॉप विभाग एवं उद्यान विभाग का अमला सफाई कार्य में संलग्न है। घाटों की सफाई कार्य भूखी माता, कर्कराज मंदिर से प्रारंभ किया गया है जिसमें 60 डंपर मलवा निकाला जा चुका है और कार्य प्रचलित है वर्कशॉप विभाग द्वारा तीन जेसीबी, पांच डम्पर, चार बॉबकेट मशीन से लगातार सफाई कार्य किया जा रहा है रात्रि में भी घाटों का सफाई कार्य प्रचलित है। रामघाट एवं अन्य घाटों पर बाढ़ के समय चेंजिंग रूम, बैरिकेट्स, मूर्तियां आदी नदी के अंदर थी वर्तमान में शिप्रा का पानी खाली किया जाकर नर्मदा का शुद्ध जल भरा जा रहा है जिसके कारण शिप्रा नदी में बाढ़ में बहकर आए बेरिकेट, चेंजिंग रूम एवं मूर्तियों को क्रेन के माध्यम से निकलने का कार्य भी किया जा रहा है।

आदर्श आचरण संहिता के दौरान जिले में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हो

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की सूक्ष्मता से समीक्षा कर दिये आवश्यक निर्देश

उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने बैठक लेकर स्वास्थ्य सेवाएं की सूक्ष्मता से समीक्षा कर सम्बन्धित स्वास्थ्य अमले को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा है कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान जिले में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित ना हों। स्वास्थ्य संस्था प्रभारी अपने-अपने कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें।

कम्युनिटी हेल्थ आफिसर अपने-अपने मुख्यालयों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सौंपे गये कार्यों को समय पर पूरा करें। मुख्यालय पर नहीं रहने वाले कम्युनिटी हेल्थ आफिसरों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाकर वेतन रोके जाने के निर्देश दिये। खाचरौद क्षेत्र के बिरियाखेड़ी के कम्युनिटी हेल्थ आफिसर को समय पर कार्य पूर्ण न करने पर कारण बताओं नोटिस देकर अपने पक्ष में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये।

कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने बैठक में आमजनों में होने वाली मौसमी बीमारियों एवं गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर जांच एवं उनका पंजीयन का डाटा अपडेट करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। गर्भवती माताओं का पंजीयन अनिवार्य रूप से पोर्टल पर दर्ज किया जाये। पंजीयन के विरूद्ध गर्भवती माताओं के पूरे गर्भकाल में जांचें अनिवार्य रूप से की जाये। गर्भवती माताओं के एनीमिया का चिन्हांकन कर गंभीर रक्ताल्पता चिन्हित कर उनकी जांच एवं उनका उपचार अपडेट करने के निर्देश दिये। गर्भावस्था के दौरान होने वाला हाई बीपी की पहचान कर गर्भवती माताओं की समुचित इलाज एवं जांच करने की कार्यवाही की जाये।

बैठक में कलेक्टर ने सीएमएचओ आदि को निर्देश दिये कि ब्लड डोनेशन में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं आदि की बैठक लेकर शेड्यूल बनाया जाकर कैलेण्डर तैयार किया जाये। इसके लिये अभी से उक्त कार्यवाही की जाये। प्रायवेट नर्सिंग अस्पतालों की बैठक लेकर उन्हें निर्देशित किया जाये कि निर्धारित पोर्टल पर मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी अपलोड करने की जिम्मेदारी दी जाये। जिले के सब हेल्थ सेंटरों में पर्याप्त दवाईयां, फर्नीचर आदि सर्वसुविधा होना चाहिये। इस सम्बन्ध में मोबिलाईज करें। इसके बाद वेरिफिकेशन के लिये जांच दल गठित किया जायेगा, ताकि गठित दल 10 अप्रैल को निरीक्षण कर उसी दिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में गत बैठक का पालन प्रतिवेदन पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर ने सीएमएचओ को निर्देश दिये कि स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें निर्देशित किया जाये कि अपने-अपने मुख्यालयों में अनिवार्य रूप से रहकर पीड़ितों का उपचार किया जाये। बैठक में सीएमएचओ डॉ.अशोक कुमार पटेल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.केसी परमार, डॉ.एसके अखण्ड, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.रवीन्द्र पाल, जिला क्षय अधिकारी डॉ.रेणुका डामोर, जिला एनसीडी अधिकारी डॉ.रौनक एल्ची, आरएमओ डॉ.निधी जैन, अस्पताल प्रशासक तथा जिले के समस्त बीएमओ, अर्बन संस्था प्रभारी, डीपीएम आदि उपस्थित थे।

भोजन शाला में भोजन सेवा में दान देने वाले दाताओं के नाम

क्रमांक	दिनांक	दानदाता का नाम	स्थान	जन्मदिन-स्मृति में भोजन सेवा	राशि
1.	20.03.2024	मोहन जी	उज्जैन	श्री श्याम पमनानी के स्वास्थ्य लाभ हेतु	700रु.रसीद क्रं.335

उज्जयिनी सेवा समिति द्वारा जिला चिकित्सालय उज्जैन में संचालित भोजन शाला में पिछले 25 वर्षों से समिति भोजन सेवा दे रही है। प्रतिदिन सैकड़ों जरूरतमंद और उज्जैन आने वाले यात्री मात्र 5 रू. में स्वादिष्ट भरपेट भोजन कर रहे हैं। बुधवार दिनांक 20 मार्च को भोजनशाला में कुल 288 लोगों ने भोजन प्रसादी प्राप्त की।

मोटरसाइकिल की टक्कर से दो घायल

उज्जैन/ मक्सी रोड पर ग्राम पावसा में शिव मंदिर के पास से एक मोटरसाइकिल की टक्कर से दो घायल हो गए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना भामाशाह के अंतर्गत मक्खी रोड पर शिव मंदिर के पास एक मोटर साइकिल की टक्कर से दो लोगों को चोट पहुंची है। यह जानकारी देते हुए तमाशा ग्राम के 36 वर्षी महेश पिता बलराम गोयल ने बताया कि उसके बड़े भाई की लड़की के लड़के और महिला संगीता बाई को इस टक्कर में चोट पहुंची है।

ग्राम अजराना में पुरानी रंजिश में मारपीट

उज्जैन/ ग्राम अजनारा में एक व्यक्ति के घर के सामने पुरानी रंजिश में मारपीट हो गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चिंतामन गणेश के अंतर्गत ग्राम आज नारा में एक घर के सामने 41 वर्षी बाबूलाल पिता जगदीश यादव के साथ पुरानी रंजिश में मारपीट की घटना हो गई है।

शहर में पांच एकड़ भूमि पर तैयार हो रहा 'महाकाल सांस्कृतिक वन'

उज्जैन। उज्जैन में 'महाकाल महालोक' के बाद अब 'महाकाल सांस्कृतिक वन' आकार लेता दिखाई देने लगा है। विक्रम विश्वविद्यालय की लगभग पांच एकड़ जमीन पर तैयार वन क्षेत्र, सनातन धर्म-संस्कृति और गौरवशाली अतीत की झलक दिखलाता है। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है। बनाई जा रही श्रीकृष्ण वाटिका, श्रीराम वाटिका, अशोक वाटिका, कालिदास वाटिका, सप्त ऋषि वाटिका, नक्षत्र वन, हर्बल नर्सरी प्रकृति के प्रति प्रेम बढ़ाने के साथ आध्यात्मिक अहसास कराती है।

पथ पर रोपे जा रहे भगवान शिव, मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम और योगेश्वर श्रीकृष्ण को प्रिय पौधे और गौरवशाली अतीत के चित्र ध्यान आकर्षित कराते हैं। यहीं विक्रम संवत् प्रवर्तक सम्राट विक्रमादित्य का सिंहासन बनाया जा रहा है। भव्य प्रवेश द्वार बनकर तैयार है। द्वार के शिखर पर लगा त्रिशूल मन में

दिखेगी गौरवशाली अतीत की झलक

आध्यात्मिक भाव जगाता है। विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अखिलेशकुमार पांडेय से महाकाल सांस्कृतिक वन योजना को जाना। उन्होंने कहा कि महाकाल सांस्कृतिक वन भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु उपयोगी होने के साथ-साथ जैवविविधता संरक्षण में भी सहायक होगा।महाकाल सांस्कृतिक वन की कार्य योजना 8 करोड़ रुपये की है। इसे विभिन्न चरण में स्वीकृति किए जाने की बात सालभर पहले कही गई थी। शुरुआत में काम कराने को 50 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। जमीनी तौर पर कार्य वन विभाग बिना किसी प्रचार-प्रसार के कर रहा था। एक रिपोर्ट के अनुसार सांस्कृतिक वन की योजना, गुजरात के सांस्कृतिक वन फार्मूले पर आधारित है। सांस्कृतिक वन प्रदेश में भोपाल, सतना, छतरपुर में भी आकार ले रहे हैं।महाकाल सांस्कृतिक वन, विक्रम विश्वविद्यालय के खेल मैदान और विक्रम सरोवर से सटा है। इसका मुख्य प्रवेश द्वार सम्राट विक्रमादित्य संकुल भवन से देवास रोड पहुंच मार्ग के बीच बना है। इस मार्ग को नगर निगम द्वारा चौड़ा किया जाना है। इसका भूमि पूजन 16 मार्च को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव वर्चुअल कर चुके हैं। नगर निगम तीन करोड़ रुपये से विक्रम सरोवर को संवारने की भी तैयारी कर रहा है। ठेकेदार चयन के लिए निविदा हो चुकी है।

फिल्म गदर-2 के खलनायक मनीष वाधवा ने किए महाकाल दर्शन

उज्जैन । ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में फिल्म गदर-2 में खलनायक की भूमिका निभाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता मनीष वाधवा ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। पं.अर्पित पुजारी के आचार्यत्व में उन्होंने गर्भगृह की दहलीज से भगवान महाकाल की पूजा अर्चना की। पश्चात पं.विजय पुजारी ने उन्हें शांति पाठ सुनाया।बता दें अभिनेता वाधवा टीवी सीरियल परमावतार श्री कृष्ण सीरियल में कंस की भूमिका निभा चुके हैं। चंद्रगुप्त मौर्य और पेशवा बाजीराव में भी उनके मुख्य किरदार थे। उन्हें सबसे अधिक सफलता चाणक्य धारावाहिक में चाणक्य के रूप में मिली। फिल्म गदर-2 में भी उनके अभिनय की खूब प्रशंसा हुई। वे फिल्म हेराफेरी-3 की सफलता के लिए भगवान महाकाल से प्रार्थना करने आए थे।

पत्नी को मायके जाने से रोका तो कुएं में कूदकर दी जान

उज्जैन । भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम छीतरदेवी निवासी विवाहिता की बुधवार को कुएं में लाश मिली है। महिला अपने मायके जाने की जिद कर रही थी। पति ने उसे कहा था कि गेहूं की फसल कट रही है दो दिन बाद चली जाना। आशंका है कि महिला ने कुएं में कूदकर खुदकुशी की है।पुलिस ने बताया कि ग्राम छीतरदेवी निवासी ममता पत्नी केसरसिंह आंजना उम्र 27 वर्ष का मायका उन्हेल थाना क्षेत्र के ग्राम गुराछा में है।महिला कुछ दिनों से अपने मायके जाने की जिद पति केसरसिंह से कर रही थी। केसर ने उसे कहा था कि अभी गेहूं की फसल कट रही है। दो दिन बाद मायके चली जाना। जिसको लेकर उसका बुधवार को विवाद भी हो गया था। इसके बाद महिला गुस्से में खेत चली गई थी। जहां से काफी देर तक नहीं लौटी तो पति उसे तलाश करने गया था।कुएं के बाहर उसे महिला की चप्पल व दराता दिखाई दिया था। जिसके बाद उसने कुएं में पत्नी का शव देखा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। पुलिस का कहना है कि मामले में स्वजन के बयान के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

रखरखाव के अभाव में खेल-मैदानो की दुर्दशा

उज्जैन/ सुशील दुबे /शहर में खेल मैदानो के नाम पर चांद ही ग्राउंड ऐसे हैं जहां खेला जा सकता है। रखरखाव के अभाव में इन खेल मैदाने की दुर्दशा हो रही है। इन खेल मैदाने पर अधिकांश क्रिकेटरों का कब्जा रहता है इसलिए अन्य खेल नहीं हो पाते हैं।

शहर में चंद ही मैदान ऐसे हैं जहां पर खेला जा सकता है। इनमें सबसे बड़ा खेल मैदान नानाखेड़ा स्टेडियम का है जिसमें की एक्सट्रोटफ लगाया जा चुका है और एथलीट के लिए यह मैदान उपयोगी है। इसके अलावा दशहरा मैदान भी खेल मैदान है लेकिन यहां पर व्यावसायिक गतिविधियां ज्यादा होने से खेल गति विधियां काम ही हो पाती है। शहर के मध्य स्थित क्षीरसागर स्टेडियम जो कि कभी रूप सिंह गोल्ड कप हॉकी के नाम से जाना जाता था इसे भी विकसित कर खेल मैदान बनाया गया ह। लेकिन रख रखाव के अभाव में यह स्टेडियम भी दम तोड़ रहा है। देवास गेट पर पहले माधव कॉलेज के नाम से फेमस अब गर्ल्स कॉलेज हो गया है लेकिन यहां पर खेल मैदान पर बिल्डिंग बना दी गई है जिससे कि खेल गतिविधियां रुक गई है। इसके अलावा कार्तिक मेला ग्राउंड भी खेल गतिविधियों के लिए विकसित हो रहा है और शास्त्री नगर का मैदान भी विकसित हो रहा है लेकिन रख रखाव के अभाव में यह खेल मैदान अपनी वास्तविकता होते जा रहे हैं। इसके अलावा भी शहर में कई छोटे-छोटे खेल मैदान आवश्यक है लेकिन इन खेल मैदाने पर क्रिकेटरों का कब्जा रहता है इसलिए अन्य खेल की गतिविधियां नहीं हो पाती है। सुबह से लेकर शाम तक इन खेल मैदाने में क्रिकेट खेलने वालों का कब्जा जमा रहता है। शहर के खेल मैदाने को और अधिक रखरखाव की आवश्यकता है।

हिस्ट्रीशीटर ने अपने पैर की चमड़ी से चप्पल बनवाकर मां को पहनाई

उज्जैन । शहर के चिमनगंज थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर बदमाश रह चुके रौनक गुर्जर ने अपनी पैर की चमड़ी निकलवाकर उससे चप्पल बनवाई और अपनी मां को पहनाई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है।ढांचा भवन निवासी रौनक गुर्जर ने चप्पल बनवाने के लिए निजी अस्पताल में पैर का आपरेशन करवाया था। रौनक ने बताया कि उसने रामायण में पढ़ा है कि मां के लिए अपनी चमड़ी से भी खड़ाऊ बनवाओ तो भी कम है। इसलिए उसने मां को बिना बताए संकल्प किया था। रौनक ढांचा भवन में ही भागवत कथा करवा रहा है। कथा के मंच पर ही उसने अपनी मां को यह चप्पल पहनाई है। रौनक ने मां निरूला गुर्जर को चप्पल पहनाई तो वह फूट-फूटकर रोने लगी। मां निरूला ने कहा कि वह भाग्यशाली है, जो रौनक जैसा बेटा मिला, ऐसा बेटा सबको मिले।गौरतलब है कि रौनक के खिलाफ 30 से ज्यादा केस दर्ज हैं। 29 जून 2019 को एनकांउटर किया था। इसमें पुलिस की गोलियां लगने से रौनक घायल हो गया था। रौनक ने शहर के व्यापारी से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। रुपये नहीं देने पर उसने गोलियां चला दी थीं। जेल से छूटने के बाद उसने अपराध करना छोड़ दिया है। वर्तमान में वह भागवत कथा भी करवा रहा है।

आवश्यकता है

- न्यूज एंकर
- सोश्यल मीडिया हैंडलर
- कैमरा मैन
- रिपोर्टर

की तत्काल आवश्यकता है।

सैलरी योग्यतानुसार-

मोबाईल नं.-

94253 12555

आचार संहिता-महापौर सहित जनप्रतिनिधियों के चैंबर बंद

उज्जैन लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के बाद नगर निगम मुख्यालय में महापौर सहित सभी जनप्रतिनिधियों के चैंबर्स बंद करा दिए हैं। इससे जनप्रतिनिधियों में हलचल शुरू हो गई है। प्रशासन ने सरकारी बंगलों से कर्मचारी और चपरासी तक वापस बुला लिए हैं।नगर निगम मुख्यालय में अब जनप्रतिनिधियों के ठप्पे चुनाव होने तक दूर हो गए हैं। चुनाव आयोग के निर्देश पर निगम मुख्यालय में महापौर और निगम अध्यक्ष सहित सभी जनप्रतिनिधियों के चैंबर्स निगम प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिए हैं। आचार संहिता लागू होने के बाद से यह सख्ती कर दी

गई है। इससे एमआईसी सदस्यों सहित पार्षद भी निगम मुख्यालय में अपने काम नहीं कर पा रहे। विधानसभा चुनाव में भी प्रशासन ने सभी के चैंबर्स पर ताले लगा दिए थे।जनप्रतिनिधियों ने इसका विरोध भी किया था। लोकसभा चुनाव में भी प्रशासन ने सख्त रवैया अपना लिया है। जनप्रतिनिधियों को इस बात का मलाल है कि कर्मचारियों और चपरासियों की सेवाएं क्यों बंद कर दी, जबकि जरूरी शासकीय काम करना पड़ रहे हैं। विपक्ष के नेता रवि राय के चैंबर पर निगम। प्रशासन ने ताला लगवा दिया है। राय ने कहा कि प्रशासन ज्यादा ही सख्ती कर रहा है, जबकि अन्य स्थानों पर आवश्यक कामों के लिए ज्यादा प्रतिबंध नहीं है।

मुद्रक, प्रकाशन, **प्रधान संपादक-घनश्याम पटेल** द्वारा 97 ए, निकास रोड़ उज्जैन से प्रकाशित व भगवती ऑफसेट 44,बहादुरगंज उज्जैन से मुद्रित,फोन-0734-4218273, इंदौर कार्यालय सी-4/2 ओल्ड पलासिया पी.डब्ल्यू.डी. बंगला-18,इंदौर। फोन-0731-4239766,Email-shabdsaroverindujjain@gmail.com,आर.एन.आई.नं.56481/92, पो.रजि.नं.- एल-2/65/आरपीएन/390/2023-2025, **स्थानीय संपादक-जोगेश गोविंदानी।(समाचार चयन के लिए पीआरबीएक्ट के तहत जिम्मेदार)**।